

UGC NET 2022 BENGALI SH1

Topic:- 019_SH1_SET1_PART_A

1) নীচের শব্দগুলির মধ্যে যেটিতে সমাক্ষরলোপের প্রয়োগ রয়েছে, সেটি হল:

[Question ID = 101][Question Description = 101_19_Bengali_SEPT22_Q01]

1. একটিনি

[Option ID = 401]

2. চাখড়ি

[Option ID = 402]

3. বারান্দা

[Option ID = 403]

4. আলমারি

[Option ID = 404]

2) নীচে দেওয়া কারকগুলির মধ্যে 'কুঠারে ছিজঅ' বাক্যাংশের রেখা-চিহ্নিত পদটির সঠিক কারক হল:

[Question ID = 102][Question Description = 102_19_Bengali_SEPT22_Q02]

1. করণ কারক

[Option ID = 405]

2. অধিকরণ কারক

[Option ID = 406]

3. অপাদান কারক

[Option ID = 407]

4. সম্বন্ধ পদ

[Option ID = 408]

3) নীচের তালিকার যে বিকল্পটিতে একাধিক উৎসজাত শব্দ আছে, সেটি হল:

[Question ID = 103][Question Description = 103_19_Bengali_SEPT22_Q03]

1. জামা, দালান, সেতার, মোহর, হরফ।

[Option ID = 409]

2. খুড়ো, বিয়ে, ঘর, দলুই, ভালো।

[Option ID = 410]

3. রতন, যতন, পরশ, ধরম, বরফ।

[Option ID = 411]

4. কুলীন, জটিল, জলজ, শয়ন, অঙ্গুলি।

[Option ID = 412]

4) নীচে ধ্বনি পরিবর্তনের চিহ্নিত-অভিমুখ অনুসারে যেটিতে নিম্ন-স্বরধ্বনি উচ্চস্বরধ্বনিতে রূপান্তরিত হয়েছে সেটি হল:

[Question ID = 104][Question Description = 104_19_Bengali_SEPT22_Q04]

1. গিন্নি < গুহিনী

[Option ID = 413]

2. আঙুন < অগ্নি

[Option ID = 414]

3. মুলো < মূলা

[Option ID = 415]

4. ধার < উদ্ধার

[Option ID = 416]

5) চর্যার যে পদকর্তা ভণিতায় নিজেকে 'অনুত্তর সামী' বলে অভিহিত করেছেন, তিনি হলেন:

[Question ID = 105][Question Description = 105_19_Bengali_SEPT22_Q05]

1. ডেঙ্গীপাদ

[Option ID = 417]

2. সরহপাদ

[Option ID = 418]

3. কুকুরীপাদ

[Option ID = 419]

4. চাটিলপাদ

[Option ID = 420]

6) "নিরন্তর তাঁর সঙ্গে হৈল সখ্যভাব।
হাস্য-পরিহাস দৌঁহে সখোর স্বভাব।।"

'শ্রীশ্রীচৈতন্যচরিতামৃত'-এর এই বর্ণনায় দু'জনের একজন শ্রীচৈতন্য আর দ্বিতীয়জন হলেন:

[Question ID = 106][Question Description = 106_19_Bengali_SEPT22_Q06]

1. স্বরূপ দামোদর

[Option ID = 421]

2. রায় রামানন্দ

[Option ID = 422]

3. কাশীমিশ্র

[Option ID = 423]

4. বেংকটভট্ট

[Option ID = 424]

7) "রাবণ বলে পুত্র তুমি প্রাণের সমান।
তোমা হইতে আমার হবে পরিত্রাণ।।"

কৃত্তিবাসী রামায়ণের 'লঙ্কাকাণ্ড' অনুসরণে এখানে পুত্র বলতে যাকে বোঝানো হয়েছে তিনি হলেন :

[Question ID = 107][Question Description = 107_19_Bengali_SEPT22_Q07]

1. ইন্দ্রজিৎ

[Option ID = 425]

2. বীরবাহু

[Option ID = 426]

3. অতিকায়

[Option ID = 427]

4. মহীরাবণ

[Option ID = 428]

8) "চান্দো বলে শোন মিতা এহার সমাধান।

পৃথিবীতে বস্তু নাহি এহার সমান ।।"

বিজয়গুপ্তের 'পদ্মাপুরাণ' অবলম্বনে দ্বিতীয় চরণে 'এহার' বলতে যা বোঝানো হয়েছে তা হল:

[Question ID = 108][Question Description = 108_19_Bengali_SEPT22_Q08]

1. নারিকেল

[Option ID = 429]

2. কলই

[Option ID = 430]

3. মূলা

[Option ID = 431]

4. পাকইর

[Option ID = 432]

9) "হাসে নিশি তারাময়ী ত্রিদশ-আলয়ে" — 'মেঘনাদবধ কাব্য'-এর যে-সর্গের প্রথম পংক্তি, সেটি হল:

[Question ID = 109][Question Description = 109_19_Bengali_SEPT22_Q09]

1. দ্বিতীয় সর্গ

[Option ID = 433]

2. চতুর্থ সর্গ

[Option ID = 434]

3. পঞ্চম সর্গ

[Option ID = 435]

4. অষ্টম সর্গ

[Option ID = 436]

10) বিষ্ণু দে রচিত 'গান' কবিতাটিতে যে দুজন গায়কের নাম উল্লেখিত হয়েছে তাঁরা হলেন:

[Question ID = 110][Question Description = 110_19_Bengali_SEPT22_Q10]

1. দেবব্রত বিশ্বাস ও সুচিত্রা মিত্র

[Option ID = 437]

2. দেবব্রত বিশ্বাস ও মালতী ঘোষাল

[Option ID = 438]

3. দেবব্রত বিশ্বাস ও রাজেশ্বরী দত্ত

[Option ID = 439]

4. হেমন্ত মুখোপাধ্যায় ও রাজেশ্বরী দত্ত

[Option ID = 440]

11) কেদারনাথ রায়ের সঙ্গে বিবাহের পূর্বে কবি কামিনী রায়ের পদবি ছিল:

[Question ID = 111][Question Description = 111_19_Bengali_SEPT22_Q11]

1. বসু

[Option ID = 441]

2. গুহ

[Option ID = 442]

3. ঘোষ

[Option ID = 443]

4. সেন

[Option ID = 444]

12) বিহারীলাল চক্রবর্তীর 'সাধের আসন' কাব্যের পঞ্চম সর্গটির শিরোনাম হল:

[Question ID = 112][Question Description = 112_19_Bengali_SEPT22_Q12]

1. নন্দন কানন

[Option ID = 445]

2. মায়ী

[Option ID = 446]

3. কে তুমি

[Option ID = 447]

4. অমরাবতীর প্রবেশ-পথ

[Option ID = 448]

13) "যে যাবার সে যাক্‌ সখি আমি তো যাবো না জলে।

যাইতে যমুনা জলে, সে কালা কদম্ব তলে,

আঁখি ঠেলে আমায় বলে, মালা দে রাই আমার গলে!"

'ছত্‌তম পাঁচার নকশা' অনুসরণে যে রাগে গানটি গাওয়া হয়েছিল, তা হল:

[Question ID = 113][Question Description = 113_19_Bengali_SEPT22_Q13]

1. বেহাগ

[Option ID = 449]

2. পূরবী

[Option ID = 450]

3. খাম্বাজ

[Option ID = 451]

4. ভৈরব

[Option ID = 452]

14) "এখন কমলমণি, সূর্যমুখী, নগেন্দ্র তিনজনে মিলিত হইয়া বিম্বীজ রোপণ করিলেন।"

'বিম্বীজ' উপন্যাসে এই কথাটি যে পরিচ্ছেদে আছে তার শিরোনাম হল:

[Question ID = 114][Question Description = 114_19_Bengali_SEPT22_Q14]

1. অনেক প্রকারের কথা

[Option ID = 453]

2. অঙ্কুর

[Option ID = 454]

3. হীরার কলহ — বিম্বীজের মুকুল

[Option ID = 455]

4. বিম্বীজ কি?

[Option ID = 456]

15) "চল অণু, দক্ষিণ মাঠে পাখির ছানা দেখতে যাবি?"

'পথের পাঁচালী' উপন্যাসে একথা বলেছিল:

[Question ID = 115][Question Description = 115_19_Bengali_SEPT22_Q15]

1. নীলু

[Option ID = 457]

2. পটু

[Option ID = 458]

3. বন্ধা

[Option ID = 459]

4. সতু

[Option ID = 460]

16) "রাজনীতির সুতো টানছে কারা আর আমরা হাত-পা ছুঁড়ছি। ভাবছি সেটাই বাঁচা।"

'নির্বাস' উপন্যাসে এই কথাগুলি যে বলেছিল সে হল:

[Question ID = 116][Question Description = 116_19_Bengali_SEPT22_Q16]

1. মালতী

[Option ID = 461]

2. বিমলা

[Option ID = 462]

3. সৌম্য

[Option ID = 463]

4. মোহিত

[Option ID = 464]

17) 'পেশা-বদল' গল্পে 'চেতলা ইয়ং মেন্স' ক্লাবের ম্যাগাজিনের নাম ছিল:

[Question ID = 117][Question Description = 117_19_Bengali_SEPT22_Q17]

1. 'ডামাডোল'

[Option ID = 465]

2. 'সোরগোল'

[Option ID = 466]

3. 'কলরোল'

[Option ID = 467]

4. 'পগুগোল'

[Option ID = 468]

18) 'উলটপুরাণ' গল্পে মেমসাহেবদের জন্য 'অসুরী বরণ'-এর বিজ্ঞাপনটি যে-পত্রিকায় প্রকাশিত হয়েছিল তার নাম:

[Question ID = 118][Question Description = 118_19_Bengali_SEPT22_Q18]

1. 'দি মিস্তার ম্যান'

[Option ID = 469]

2. 'দি শিম্যান'

[Option ID = 470]

3. 'দি লন্ডন ফগ'

[Option ID = 471]

4. 'রাষ্ট্রবিৎ'

[Option ID = 472]

19) 'দ্রৌপদী' গল্পে যে বিদেশি চলচ্চিত্র পরিচালকের নাম আছে, তিনি হলেন:

[Question ID = 119][Question Description = 119_19_Bengali_SEPT22_Q19]

1. ফেলিনি

[Option ID = 473]

2. ক্রফো

[Option ID = 474]

3. আন্তোনিওনি

[Option ID = 475]

4. কুরোসোওয়া

[Option ID = 476]

20) "আজ্ঞে এ আমাদের সন্ধেবেলার কেরাছিন"

'মতিলাল পাদরী' গল্পে এই উক্তিটি করেছিল:

[Question ID = 120][Question Description = 120_19_Bengali_SEPT22_Q20]

1. ভোলা পাইক

[Option ID = 477]

2. পতাকী

[Option ID = 478]

3. যদু

[Option ID = 479]

4. বদন

[Option ID = 480]

21) 'নবান্ন' নাটকে চিকিৎসাকেন্দ্রে পাঁচ নম্বর পেশেন্টের যে উপসর্গ দেখা দিয়েছিল বলে নার্স জানিয়েছিলেন, সেটির নাম হল:

[Question ID = 121][Question Description = 121_19_Bengali_SEPT22_Q21]

1. হেমপ্টিসিস

[Option ID = 481]

2. হেমপ্লিসিস

[Option ID = 482]

3. হেমফিলিয়া

[Option ID = 483]

4. হেমলপ্টিসিস

[Option ID = 484]

22) 'একেই কি বলে সভ্যতা?' নাটকে কর্তামশায় যে কবিকে 'কবিকুলতিলক' এবং 'ভক্তিরসসাগর' বলেছেন, তিনি হলেন:

[Question ID = 122][Question Description = 122_19_Bengali_SEPT22_Q22]

1. কালিদাস

[Option ID = 485]

2. চণ্ডীদাস

[Option ID = 486]

3. জয়দেব

[Option ID = 487]

4. বোপদেব

[Option ID = 488]

23) "কেউ চার অক্ষরের কোন কথা জানো, যার মানে অভিনেতা?" 'টিনের তলোয়ার' নাটকে গোবরের এই প্রশ্নের উত্তরে হরবল্লভ যে চার-অক্ষরের শব্দটি বলেছিল, তা হল:

[Question ID = 123][Question Description = 123_19_Bengali_SEPT22_Q23]

1. বেত্তমিজ

[Option ID = 489]

2. দিওয়ানা

[Option ID = 490]

3. দিল্দার

[Option ID = 491]

4. আহাম্মুক

[Option ID = 492]

24) 'প্রথম পার্থ' কাব্যনাট্যে যে অস্ত্রের সাহায্যে অর্জুন কর্ণকে হত্যা করবে বলে কৃষ্ণ ভবিষ্যৎ-বাণী করেন, তার নাম:

[Question ID = 124][Question Description = 124_19_Bengali_SEPT22_Q24]

1. অঞ্জলিক বাণ

[Option ID = 493]

2. পাণ্ডপত অস্ত্র

[Option ID = 494]

3. ব্রহ্মশিরা বাণ

[Option ID = 495]

4. ব্রহ্মাস্ত্র

[Option ID = 496]

25) বঙ্কিমচন্দ্রের 'বড় বাজার' নিবন্ধটিতে 'পীচ পেয়ারা আনারস আন্দুর' বলা হয়েছে যে পদার্থটিকে তা হল:

[Question ID = 125][Question Description = 125_19_Bengali_SEPT22_Q25]

1. বাঙ্গালা সাহিত্য

[Option ID = 497]

2. সম্বাদপত্রের রচনা

[Option ID = 498]

3. পাশ্চাত্য সাহিত্য

[Option ID = 499]

4. বাঙ্গালীক প্রভৃতি ঋষিগণের রচিত অমৃত সাহিত্য

[Option ID = 500]

- 26) “জগৎপ্রণালী সুব্যবস্থিত সুশৃঙ্খল সুনিয়ন্ত্রিত হইবেই হইবে, একপ মনে করিবার হেতু কি আছে?” রামেন্দ্রসুন্দর ত্রিবেদীর যে-প্রবন্ধ থেকে উদ্ধৃতিটি নেওয়া হয়েছে তা হল:

[Question ID = 126][Question Description = 126_19_Bengali_SEPT22_Q26]

1. সৌন্দর্য্য-তত্ত্ব

[Option ID = 501]

2. সুখ না দুঃখ?

[Option ID = 502]

3. অতিপ্রাকৃত প্রথম প্রস্তাব

[Option ID = 503]

4. নিয়মের রাজত্ব

[Option ID = 504]

- 27) “সংস্কৃত কাব্যের মধ্যে রামায়ণ মহাভারত তো সেকেলে।”

উদ্ধৃত মন্তব্যটি পাঠ্য যে প্রবন্ধ থেকে নেওয়া হয়েছে, তা হল:

[Question ID = 127][Question Description = 127_19_Bengali_SEPT22_Q27]

1. বঙ্গীয় যুবক ও তিন কবি

[Option ID = 505]

2. সাহিত্যে অশ্লীলতা — আলঙ্কারিক মত

[Option ID = 506]

3. ভারতীয় সংস্কৃতির স্বরূপ

[Option ID = 507]

4. সুন্দর ও বাস্তব

[Option ID = 508]

- 28) প্রমথ চৌধুরী তাঁর 'বই পড়া' নিবন্ধে বাৎসায়নের কামসূত্রে উল্লেখিত 'কূর্চ' শব্দটির যে অর্থ নির্দেশ করেছেন, তা হল:

[Question ID = 128][Question Description = 128_19_Bengali_SEPT22_Q28]

1. মোমের কৌটা

[Option ID = 509]

2. একপ্রকার ব্র্যাকেট

[Option ID = 510]

3. পিকদানি

[Option ID = 511]

4. তুলি ও রঙ রাখার বাক্স

[Option ID = 512]

- 29) “কী করিলে পৃথিবীর উপরকার এই মেটে রঙের মলাটটাকে খুলিয়া ফেলা যাইতে পারে, তাহার কতই গ্ল্যান ঠাওরাইয়াছি। মনে ভাবিতাম, একটার পর আর-একটা বাঁশ যদি ঠুকিয়া ঠুকিয়া পোঁতা যায়, এমনি করিয়া অনেক বাঁশ পোঁতা হইয়া গেলে পৃথিবীর খুব গভীরতম তলাটাকে হয়তো একরকম করিয়া নাগাল পাওয়া যাইতে পারে।”

উদ্ধৃত অংশটি 'জীবনস্মৃতি'র যে-অধ্যায় থেকে নেওয়া, সেটির নাম হল:

[Question ID = 129][Question Description = 129_19_Bengali_SEPT22_Q29]

1. নানা বিদ্যার আয়োজন

[Option ID = 513]

2. ঘর ও বাহির

[Option ID = 514]

3. ভূতরাজক তন্ত্র

[Option ID = 515]

4. বাহিরে যাত্রা

[Option ID = 516]

30) “তার ঘরে তার বাছুর আছে,
ময়না আছে খাঁচায়;
স্ত্রী আছে তার, জাঁতায় আটা ভাঙে,
পিতলের মোটা কাঁকন হাতে;
আছে তার ধোবা প্রতিবেশী,
আছে মুদি দোকানদার
দেনা আছে কাবুলিদের কাছে;”

উপরের কাব্যংশটি ‘পুনশ্চ’ কাব্যের যে-কবিতার অন্তর্গত সেটি হল:

[Question ID = 130][Question Description = 130_19_Bengali_SEPT22_Q30]

1. একজন লোক

[Option ID = 517]

2. ভীক

[Option ID = 518]

3. অপরাধী

[Option ID = 519]

4. পয়লা আশ্বিন

[Option ID = 520]

31) ‘নিশীথে’ গল্পে মনোরমার বাবার নাম ছিল:

[Question ID = 131][Question Description = 131_19_Bengali_SEPT22_Q31]

1. হারান

[Option ID = 521]

2. মহিন

[Option ID = 522]

3. পরান

[Option ID = 523]

4. দেবেন

[Option ID = 524]

32) উপন্যাসের শেষ অংশে শচীশের সাধনার ব্যাকুলতা বুঝতে না পেরে শ্রীবিলাস মন্তব্য করে: “একদিন তো এ জিনিসটাকে হাসিয়া উড়াইয়া দিয়াছি, এখন আর যাই হোক হাসি বন্ধ হইয়া গেছে।” এই সূত্রে শ্রীবিলাস যে দার্শনিকের প্রসঙ্গ টেনে আনে, তিনি হলেন:

[Question ID = 132][Question Description = 132_19_Bengali_SEPT22_Q32]

1. অগাস্ট কোঁৎ

[Option ID = 525]

2. জন স্টুয়ার্ট মিল

[Option ID = 526]

3. জেরেমি বেঙ্কাম

[Option ID = 527]

4. হার্বার্ট স্পেন্সার

[Option ID = 528]

33) সত্যেন্দ্রনাথ দত্তের 'ছন্দ-সরস্বতী' যে-সাময়িক পত্রে প্রকাশিত হয়েছিল, তা হল:

[Question ID = 133][Question Description = 133_19_Bengali_SEPT22_Q33]

1. ভারতবর্ষ

[Option ID = 529]

2. যমুনা

[Option ID = 530]

3. প্রবাসী

[Option ID = 531]

4. ভারতী

[Option ID = 532]

34) "বৈষ্ণবপদাবলীতে বাংলা সাহিত্যে ছন্দের প্রথম ঢেউ ওঠে।"
এই মন্তব্যটি যাঁর লেখায় পাওয়া যায়, তিনি হলেন:

[Question ID = 134][Question Description = 134_19_Bengali_SEPT22_Q34]

1. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

[Option ID = 533]

2. প্রবোধচন্দ্র সেন

[Option ID = 534]

3. অমূল্যধন মুখোপাধ্যায়

[Option ID = 535]

4. মোহিতলাল মজুমদার

[Option ID = 536]

35) 'ভাঙের গন্ধ নাকে এসে লাগে ভাঙের গন্ধ
জেগে উঠতেই চারিদিকে দেখি, দুয়ার বন্ধ।
ছার খোলবার সাহসে যখন শরীর শক্ত
হঠাৎ তখনি মহতেরা বলে লোকটা অন্ধ'।

প্রদত্ত কবিতাংশটির ছন্দোরীতি হল:

[Question ID = 135][Question Description = 135_19_Bengali_SEPT22_Q35]

1. মাত্রাবিন্যাসের ব্যতিক্রমসহ মিশ্র-কলাবৃত্ত

[Option ID = 537]

2. পঞ্চমাত্রিক মিশ্রবৃত্ত

[Option ID = 538]

3. চতুর্মাত্রিক দলবৃত্ত

[Option ID = 539]

4. ষণ্মাত্রিক কলাবৃত্ত

[Option ID = 540]

36) “অধর অধীর হ'তো চুমন-লালসে” — এখানে যে অলংকার রয়েছে, সেটি হল:

[Question ID = 136][Question Description = 136_19_Bengali_SEPT22_Q36]

1. ছেকানুপ্রাস

[Option ID = 541]

2. যমক

[Option ID = 542]

3. শব্দশ্লেষ

[Option ID = 543]

4. পুনরাবৃত্তবদান্তাস

[Option ID = 544]

37) “অলংকার-সমূহ অন্বেষণকারীর কাছে দুর্লভ হলেও প্রতিভাবান রসসমাহিতচিত্ত কবির কাছে তারা ‘অহং পূর্বিকয়া পরাপত্তি’, অর্থাৎ ‘আমি আগে, আমি আগে’ করে এসে কাব্যে স্থান করে নেয়।” — এই মন্তব্যটি যিনি করেছেন, তিনি হলেন:

[Question ID = 137][Question Description = 137_19_Bengali_SEPT22_Q37]

1. বামন

[Option ID = 545]

2. ভামহ

[Option ID = 546]

3. আনন্দবর্ধন

[Option ID = 547]

4. দণ্ডী

[Option ID = 548]

38) স্বকীয়া-পরকীয়া ভেদ ‘উজ্জলনীলমণি’র যে-প্রকরণে নির্দেশিত হয়েছে, সেটি হল:

[Question ID = 138][Question Description = 138_19_Bengali_SEPT22_Q38]

1. হরিপ্রিয়া-প্রকরণ

[Option ID = 549]

2. নায়িকাভেদ-প্রকরণ

[Option ID = 550]

3. শৃঙ্গারভেদ-প্রকরণ

[Option ID = 551]

4. বিষ্ণুপ্রিয়া-প্রকরণ।

[Option ID = 552]

39) “পরস্য ন পরসোত্তি মমেতি ন মমেতি চ...”; অর্থাৎ কাব্যপাঠকের মনে হয়, ‘কাব্যের চরিত্র ও ভাব পরের, কিন্তু সম্পূর্ণ পরের নয়; আমার নিজের কিন্তু নিজেরও নয়।’ — এই মন্তব্যটি যিনি করেছেন, তিনি হলেন:

[Question ID = 139][Question Description = 139_19_Bengali_SEPT22_Q39]

1. ভরতাচার্য

[Option ID = 553]

2. অভিনবগুপ্ত

[Option ID = 554]

3. **আনন্দবর্ধন**

[Option ID = 555]

4. **বিশ্বনাথ কবিরাজ**

[Option ID = 556]

40) আরিস্টটল বলেছেন “সমস্ত উদ্ঘাটনের মধ্যে শ্রেষ্ঠ হল সেই পদ্ধতি যা ঘটনার মধ্য থেকে উদ্ভূত।” এই সূত্রে তিনি যে নাটকের উদাহরণ দিয়েছেন, সেটি হল:

[Question ID = 140][Question Description = 140_19_Bengali_SEPT22_Q40]

1. **সোফোক্লেসের আন্তিগোনে**

[Option ID = 557]

2. **সোফোক্লেসের ওয়দিপৌস**

[Option ID = 558]

3. **এউরিপেডিসের কুপ্রিয়া**

[Option ID = 559]

4. **ইস্কিলাসের খোএফোরো**

[Option ID = 560]

41) নীচে বাংলা স্বর ও ব্যঞ্জনধ্বনি বিষয়ে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. বাংলা অনুনাসিক স্বরধ্বনিগুলি অন্তর্গামী ও বহির্গামী।
- B. বাংলার সব স্বর ও ব্যঞ্জনধ্বনি হল বিভাজ্য ধ্বনি।
- C. সকল স্বাভাবিক স্বরধ্বনিই সঘোষ ধ্বনি।
- D. বহির্গামী ধ্বনি উচ্চারণে শ্বাসবায়ু কেবল নাসিকা বিবর দিয়ে নির্গত হয়।
- E. বাংলা ঘৃষ্ট ধ্বনি গোড়ায় স্পৃষ্ট এবং শেষে উষ্ম ধ্বনির মতো বাধা মুক্ত।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর শুদ্ধ, সেটি হল :

[Question ID = 141][Question Description = 141_19_Bengali_SEPT22_Q41]

1. **A, B এবং C**

[Option ID = 561]

2. **B, C, এবং E**

[Option ID = 562]

3. **A, C এবং E**

[Option ID = 563]

4. **B, D এবং E**

[Option ID = 564]

42) নীচে স্বরধ্বনির গুণগত বৈশিষ্ট্যের কারণ হিসেবে কয়েকটি শুদ্ধ ও অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. মুখ বিবরে জিহ্বার অবস্থান
- B. উচ্চারণের সময়ের দৈর্ঘ্য
- C. মুখবিবরের শূন্যতা
- D. ওষ্ঠের আকৃতি
- E. মুখবিবরে পূর্ণ অবরোধ

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর শুদ্ধ, সেটি হল :

[Question ID = 142][Question Description = 142_19_Bengali_SEPT22_Q42]

1. A, B এবং C

[Option ID = 565]

2. A, D এবং E

[Option ID = 566]

3. B, D এবং E

[Option ID = 567]

4. A, C এবং D

[Option ID = 568]

43) হরপ্রসাদ শাস্ত্রী আবিষ্কৃত চর্যার পুথি অনুসরণে কয়েকটি গুরু-অগুরু মন্তব্য নীচে দেওয়া হল:

- A. 'নির্মলগিরাতীকা'র রচয়িতা যে মুনিদত্ত তা জানা যায় পুথির বস্তু নির্দেশক শ্লোক থেকে।
- B. চর্যার পুথিতে প্রতিটি গানের সূচনায় রাগ ও চর্যাকারের উল্লেখ আছে।
- C. সহজের স্বরূপ বোঝাতে 'উদক চান্দ'-এর উপমাটি ব্যবহৃত হয়েছে ২৯ সংখ্যক চর্যাগানে।
- D. কারুপাদ কীভাবে 'কবালী' হলেন তার বিবরণ আছে ১১ সংখ্যক চর্যাগানে।
- E. চর্যার পুথিতে পাতার সংখ্যা দেওয়া আছে প্রতি পাতার দ্বিতীয় পৃষ্ঠায়।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর গুরু, সেটি হল :

[Question ID = 143][Question Description = 143_19_Bengali_SEPT22_Q43]

1. কেবল A, B এবং C

[Option ID = 569]

2. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 570]

3. কেবল C, D এবং E

[Option ID = 571]

4. কেবল A, D এবং E

[Option ID = 572]

44) 'পদ্মাবতী' কাব্য অনুসরণে নীচে কয়েকটি গুরু-অগুরু মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. পদ্মাবতীর সঙ্গে রত্নসেনের প্রথম সাক্ষাৎ হয় সুবর্ণনির্মিত, রথাকৃতি দেবী মন্দিরে।
- B. সিংহল যাত্রায় রত্নসেনকে বহিষ্ত্র দিয়ে সাহায্য করেছিলেন উড়িম্বার রাজা গজপতি।
- C. রত্নসেন বন্দী হলে দেবপাল পদ্মাবতীর কাছে যে দূতিকে পাঠিয়েছিলেন তার নাম কুমুদিনী।
- D. শুকের সংসর্গে পদ্মাবতীর চিত্ত চঞ্চল হবে আশঙ্কা করে সিংহলরাজ তাকে নির্বাসন দণ্ড দিয়েছিলেন।
- E. সিংহল থেকে প্রত্যাবর্তন কালে রত্নসেনকে সোম ও শনিবার পূর্বদিকে যেতে নিষেধ করা হয়েছিল।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর গুরু সেটি হল :

[Question ID = 144][Question Description = 144_19_Bengali_SEPT22_Q44]

1. কেবল A, D এবং E

[Option ID = 573]

2. কেবল B, C এবং E

[Option ID = 574]

3. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 575]

4. কেবল C, D এবং E

[Option ID = 576]

45) বিজয়গুপ্তের কাব্যের নরখণ্ড অনুসরণে সোনাইয়ের 'মৎস্যের ব্যঞ্জন' রন্ধনের কয়েকটি পদ নীচে দেওয়া হল:

- A. বড় বড় ইচা মৎস্যের ফলাইয়া তালু।
- B. বড় [বড়] কই মৎস্য করিয়া ভাগ ভাগে।
- C. ছোট ছোট চেঙ্গ মৎস্যের ফলাইয়া মুড়া।
- D. ছোট ছোট নালি মৎস্যের ফলাইয়া মুরি।
- E. বড় বড় চাইন মৎস্য দেখিতে বড় ভাল।

পদগুলি কাব্যে যে ক্রমে বর্ণিত হয়েছে নীচের সংকেত থেকে তার শুদ্ধ ক্রমটি নির্দেশ করুন :

[Question ID = 145][Question Description = 145_19_Bengali_SEPT22_Q45]

1. B, C, D, E, A

[Option ID = 577]

2. D, B, A, E, C

[Option ID = 578]

3. C, A, E, B, D

[Option ID = 579]

4. D, E, A, C, B

[Option ID = 580]

46) নীচে বিষ্ণু দে-র কবিতা অবলম্বন করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. 'দামিনী' এবং 'স্মৃতি সত্তা ভবিষ্যত' কবিতাদুটি একই কাব্যগ্রন্থের অন্তর্গত।
- B. 'তুমি শুধু পঁচিশে বৈশাখ' কাব্যগ্রন্থের শেষ কবিতা '২৫শে বৈশাখ'।
- C. 'নাম রেখেছি কোমল গান্ধার' কাব্যগ্রন্থের অন্তর্গত একটি কবিতা 'গান'।
- D. 'মোড়সওয়ার' কবিতার শেষ বাক্যটি একটি প্রশ্নবোধক বাক্য।
- E. 'প্রাকৃত কবিতা' নামের কবিতাটি পাওয়া যাবে 'স্মৃতি সত্তা ভবিষ্যত' কাব্যগ্রন্থে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 146][Question Description = 146_19_Bengali_SEPT22_Q46]

1. A, B এবং C

[Option ID = 581]

2. B, C এবং D

[Option ID = 582]

3. C, D এবং E

[Option ID = 583]

4. A, D এবং E

[Option ID = 584]

47) দ্বন্দ্বরচন্দ্র গুপ্তের কবিতা অবলম্বন করে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. 'মাছে কিছু আছে মান বাঙালির কাছে' এই পংক্তিটি 'পাঁচা' কবিতার অংশ।
- B. 'প্রতিদিন প্রাতে উঠি শুদ্ধ করি মন।/ ভক্তিভাবে এই পদ্য পড়িবে যে জন।।' — এখানে 'এই পদ্য' বলতে 'বড়দিন' কবিতাটির কথা বোঝানো হয়েছে।
- C. 'একবার রসনার, যে পেয়েছে তার।/ আর কিছু মুখে নাহি, ভালো লাগে আর।' — এখানে 'তপসী মাছ' প্রসঙ্গে এই কথা বলেছেন কবি।
- D. 'কমিত কনককান্তি, কমনীয় কায়': 'আনারস' প্রসঙ্গে এই বর্ণনা দেওয়া হয়েছে।
- E. 'গালে এসে বাস কর মরণের কালে': এই আকাঙ্ক্ষা 'আনারস' প্রসঙ্গে বিবৃত হয়েছে।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর শুদ্ধ, সেটি হল :

[Question ID = 147][Question Description = 147_19_Bengali_SEPT22_Q47]

1. A, C এবং D

[Option ID = 585]

2. A, C এবং E

[Option ID = 586]

3. B, C এবং D

[Option ID = 587]

4. B, D এবং E

[Option ID = 588]

48) নীচে সুদীক্ষনাথ দত্তের কবিতায় ব্যবহৃত কিছু শব্দ ও তাদের অর্থ সম্পর্কিত কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. 'স্বস্থ' শব্দের অর্থ 'উল্লাস'
- B. 'সংবর্ত' শব্দের অর্থ 'যুদ্ধ'
- C. 'মাতরিপ্তা' শব্দের অর্থ 'বায়ু'
- D. 'অবস্কর' শব্দের অর্থ 'আবর্জনা'
- E. 'পুলিন' শব্দের অর্থ 'তট'

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর শুদ্ধ, সেটি হল :

[Question ID = 148][Question Description = 148_19_Bengali_SEPT22_Q48]

1. A, B এবং C

[Option ID = 589]

2. C, D এবং E

[Option ID = 590]

3. B, C এবং E

[Option ID = 591]

4. B, C এবং D

[Option ID = 592]

49) 'শ্রীকান্ত' (প্রথম পর্ব) উপন্যাস অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. বনবাউ এবং ভুটা-জন্যের চড়া ডান দিকে রেখে নৌকা সোজা চলতে লাগল।
- B. হারাণ পলসাই মস্ত একটা সজিনার ডাল ঘাড়ে নিয়ে যাত্রাপালায় ভীম সাজত।
- C. কুমারসাহেবের বৈঠকে ভূতের গল্পের বক্তা ছিলেন প্রবীণ পুরুষোত্তম।
- D. বিবাহের দেড় বছর পরেই রাজলক্ষীর মৃত্যু হয়েছিল।
- E. রামবাবুর স্ত্রীর অনুরোধে বসন্ত-আক্রান্ত নবীন ও জীবনের গুশ্রমা করেছিল শ্রীকান্ত।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 149][Question Description = 149_19_Bengali_SEPT22_Q49]

1. কেবল A, B এবং E

[Option ID = 593]

2. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 594]

3. কেবল B, D এবং E

[Option ID = 595]

4. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 596]

50) 'রাধা' উপন্যাস অনুসরণে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. মাধবানন্দ জানেন, লোকেরা লৌকিক জীবনে যত দুর্বল ও অসহায় হয়, ততই তারা অলৌকিককে আঁকড়ে ধরতে চায়।
- B. মাধবানন্দ বলেছিলেন যে একালে প্রজা অষ্টচরিত্র দুর্বল হলেই রাজা নিশ্চিন্ত থাকে, বিশেষত রাজা ও প্রজা যেখানে ভিন্নধর্মাবলম্বী হয়।
- C. মাধবানন্দ হাতেমপুরের ফৌজদার হাফেজ খাঁয়ের উদ্দেশে পত্র লিখেছিলেন।
- D. মাধবানন্দ বলেছিলেন,নারীকে রক্ষা করতে না পারলে ধর্ম চঞ্চল হবে।
- E. মাধবানন্দ তাঁর অলৌকিক শক্তি প্রথম প্রকাশ করেছিলেন সিদ্ধ পীর সৈয়দ হোসেন সাহেবের কাছে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 150][Question Description = 150_19_Bengali_SEPT22_Q50]

1. কেবল A, B এবং D

[Option ID = 597]

2. কেবল A, B এবং E

[Option ID = 598]

3. কেবল B, C এবং E

[Option ID = 599]

4. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 600]

51) 'প্রথম প্রতিশ্রুতি' উপন্যাস অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. "রাতদিন রাগের ঠাকুর হয়েই তো আছ!" — সত্যবতীকে একথা বলেছিল সুবর্ণ।
- B. "ইল্লিমারি টুসকি!..বলে, রাখালি কত খেলাই দেখালি!" — কথাগুলি সারদাকে বলেছিল শশীতারা।
- C. "মেয়েজন্মটাই ছাই।" — সত্যবতীকে একথা বলেছিল পুণ্য।
- D. "আত্মমর্যাদা-বোধ আর অহমিকা-বোধ, এ দুটোর চেহারা যমজ ভাইয়ের মতো।" — একথা সত্যবতীকে বলেছিলেন ভবতোষ মাস্টার।
- E. "এত আলো পৃথিবীতে, তবু পৃথিবীর মানুষগুলো এত অন্ধকারে কেন?" — একথা রামকালীর মনে হয়েছিল সত্যবতীর শ্বশুরবাড়ির প্রসঙ্গে বেনামী চিঠি পড়বার পর।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 151][Question Description = 151_19_Bengali_SEPT22_Q51]

1. কেবল A, C এবং E

[Option ID = 601]

2. কেবল A, B এবং D

[Option ID = 602]

3. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 603]

4. কেবল C, D এবং E

[Option ID = 604]

52) 'গোয়' গল্প অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল :

- A. হারাই পান খায় না। বিড়িতামাক খায় না।
- B. শেষ মাঘে হারাই চারু মাস্টারের বাড়ি এসেছিল মরা ভাইয়ের কথা রাখতে।
- C. সানকিভাঙা থেকে মেদীপুর চটির দূরত্ব দুই জ্রোশের কিছু বেশি।
- D. বদর হাজির কাঁধের হলুদ ডোরাকাটা গামছাটি মক্কার বাজার থেকে কেনা।
- E. দিলজান ধনার জন্য হারাইকে প্রথমে দিতে চেয়েছিল তিরিশ টাকা।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য ঠিক, সেটি হল :

[Question ID = 152][Question Description = 152_19_Bengali_SEPT22_Q52]

1. কেবল A, B এবং E

[Option ID = 605]

2. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 606]

3. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 607]

4. কেবল C, D এবং E

[Option ID = 608]

53) সুনীল গঙ্গোপাধ্যায়ের 'গরম ভাত অথবা নিছক ভূতের গল্প' এবং 'পাখির মা' গল্প দুটি অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. পবনের পাঁচ ছেলের মধ্যে জীবিত ছিল কেবলমাত্র নিবারণ।
- B. নিবারণের বংশ-পেশায় ঘরামী।
- C. জগদীশের বাড়িতে জন খাটার দরকার হলেই ডাক পড়ত ডুলুং-এর।
- D. জগদীশের বাড়ির উঠানের ধানের গোলাটি ছিল নিছক শোভা।
- E. গল্পে পরিযায়ী পাখিরা এসেছিল এক জ্যেৎমা রাতে আর ফিরে গিয়েছিল এক সকালে।

শ্রদ্ধ সঙ্কেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য ঠিক সেটি হল :

[Question ID = 153][Question Description = 153_19_Bengali_SEPT22_Q53]

1. কেবল A, B এবং D

[Option ID = 609]

2. কেবল B, D এবং E

[Option ID = 610]

3. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 611]

4. কেবল B, C এবং E

[Option ID = 612]

54) 'মশা' গল্প অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. টাইড্যাল ওয়েভে চড়ে ঘনাদা একবেলার মধ্যে ফিজি থেকে তাহিতি দ্বীপে গিয়ে উঠেছিলেন।
- B. জলপথে সাখালীন দ্বীপ থেকে বেরোবার একমাত্র সময় এপ্রিল থেকে অক্টোবর।
- C. সাখালীন দ্বীপ থেকে যে চিনা মজুরটি নিরুদ্দেশ হয়ে গিয়েছিল তার নাম তাওলিন।
- D. সাখালীন দ্বীপে ঘনাদার সঙ্গী ডাক্তারটি ছিলেন মার্কিন মুলুকের মানুষ।
- E. সাখালীন দ্বীপের দক্ষিণদিকটা জাপানিদের আর উত্তরটা রাশিয়ার।

শ্রদ্ধ সঙ্কেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য ঠিক সেটি হল:

[Question ID = 154][Question Description = 154_19_Bengali_SEPT22_Q54]

1. কেবল A, B এবং D

[Option ID = 613]

2. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 614]

3. কেবল A, C এবং E

[Option ID = 615]

4. কেবল B, D এবং E

[Option ID = 616]

55) 'দিনের তলোয়ার' নাটকে বীরকৃষ্ণ দাঁ 'সপ্তবার একাদশী' নাটকটিকে ভুলবশত নানান নামে উচ্চারণ করতেন। তাঁর বলা নামগুলি থেকে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ নাম দেওয়া হল:

- A. বিধবার উপবাস
- B. এয়োতির ভোজ্য
- C. কুমারীর একাদশী
- D. বিধবার হবিষ্য
- E. কুমারীর পথ্য

প্রদত্ত সংকেতে যেটিতে সবকটি নাম বীরকৃষ্ণ দাঁ-এর উচ্চারিত, সেটি হল:

[Question ID = 155][Question Description = 155_19_Bengali_SEPT22_Q55]

1. কেবল A, B এবং C

[Option ID = 617]

2. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 618]

3. কেবল A, D এবং E

[Option ID = 619]

4. কেবল B, C এবং E

[Option ID = 620]

56) নীচে 'একেই কি বলে সভ্যতা?' নাটক থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. কালীবাবুর ব্র্যান্ডি খেয়ে পয়োধরার মাথা ঘুরছিল।
- B. কালীনাথ গরানহাটার প্যারী আর তার ছুকরি বিন্দি ছাড়া আর কাউকে চেনে না।
- C. কালীবাবু বাবাজিকে ফাউল কাটলেট অথবা মটন চপ খাওয়ার কথা ভেবেছিল।
- D. নবকুমারের শয়নমন্দিরে নৃত্যকালী চিড়িতনের দহলা খেলেছিল।
- E. বেহালাবাদকের ব্র্যান্ডির চেয়ে গাঁজা বেশি পছন্দ।

নীচের যে-সংকেতে সবকটি উত্তর শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 156][Question Description = 156_19_Bengali_SEPT22_Q56]

1. B, C এবং E

[Option ID = 621]

2. A, C এবং E

[Option ID = 622]

3. A, B এবং E

[Option ID = 623]

4. B, C এবং D

[Option ID = 624]

57) বুদ্ধদেব বসুর 'পুরানা পল্টন' অবলম্বন করে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. পুরানা পল্টনের টিনের বাড়িতে লেখক পাঁচ বছর কাটিয়েছিলেন।
- B. লেখক সতেরো বছর বয়সে পুরানা পল্টনের বাড়িতে আসেন।
- C. 'প্রগতি' পত্রিকা প্রথম যখন প্রকাশিত হয় তখন মলাটের উপর উর্ধ্বমুখী নারীমুণ্ডের প্রতিকৃতি যুক্ত ছিল।
- D. পুরানা পল্টনের ছোট্ট পাড়ায় একটি প্রকাণ্ড বটগাছ দ্বারপ্রহরীর মতো দাঁড়িয়ে থাকত একা।
- E. লেখকের পুরানা পল্টনের বাড়ির জানালা থেকে তাকালে রেল-রাস্তা অবধি নজর চলে যেত।

প্রদত্ত সংকেতের যেটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 157][Question Description = 157_19_Bengali_SEPT22_Q57]

1. A, B এবং C

[Option ID = 625]

2. B, C এবং E

[Option ID = 626]

3. B, D এবং E

[Option ID = 627]

4. A, B এবং D

[Option ID = 628]

58) নীচে স্বামী বিবেকানন্দের 'প্রাচ্য ও পাশ্চাত্য' গ্রন্থের 'আহার ও পানীয়' অধ্যায় অনুসরণ করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. রামানুজাচার্য ভোজ্যদ্রব্যের ত্রিবিধ দোষের মধ্যে প্রথমেই রেখেছেন 'জাতিদোষ'। 'জাতিদোষ' অর্থে জন্মগত বর্ণের উচ্চ-নীচ ধারণার সংস্কার।
- B. কোনো কোনো হিন্দুশাস্ত্রে শ্রাদ্ধদিতে মাংস ভোজন স্বীকৃত ছিল।
- C. দক্ষিণীরা শুধু ডালের বোল খায়।
- D. যে-কোনো জিনিস মিষ্টি থেকে টকে গেলে শাস্ত্রে তাকে বলে 'সুক্ত'।
- E. দক্ষিণী ব্রাহ্মণেরা পেঁয়াজ-রসুন পাতে নেন না।

প্রদত্ত সংকেতের যেটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 158][Question Description = 158_19_Bengali_SEPT22_Q58]

1. A, B এবং C

[Option ID = 629]

2. B, C এবং D

[Option ID = 630]

3. C, D এবং E

[Option ID = 631]

4. D, A এবং B

[Option ID = 632]

59) নীচে পাঠ্যসূচির অন্তর্গত কয়েকটা প্রবন্ধ অনুসরণ করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- 'রবীন্দ্রনাথের কৃতিত্ব এইখানে যে, তিনি তাঁর অপরাপর কাব্যের মতো করে তাঁর জীবনকালকেও ছন্দে মিলে উপমায় ব্যঞ্জনায কল্পনায় প্রসারে ও গভীরতায় একখানি গীতিকাব্যের ঐক্য দিয়েছেন।' এই মন্তব্যটি অন্নদাশঙ্কর রায়ের।
- 'রবীন্দ্রনাথের পাঠকসংখ্যা আজ পর্যন্ত অল্প — তাঁর খ্যাতির তুলনায়...।' এই মন্তব্যটি বুদ্ধদেব বসুর।
- 'রবীন্দ্রনাথকে রোমান্টিক কবি বলতেই হয়, রোমান্টিকতার পরাকাষ্ঠা বললেও ভুল হয় না।' এই মন্তব্যটি আবু সয়ীদ আইয়ুবের।
- 'রবীন্দ্রনাথের অনুভূতি যদি সুন্দর হয় এবং হৃৎকলির অনুভূতি অসুন্দর — তাতে কোনো নৈয়ায়িক বিসংবাদ নেই।' এই মন্তব্যটি প্রমথ চৌধুরীর।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 159][Question Description = 159_19_Bengali_SEPT22_Q59]

1. A, B এবং C

[Option ID = 633]

2. B, C এবং D

[Option ID = 634]

3. C, D এবং A

[Option ID = 635]

4. D, A এবং B

[Option ID = 636]

60) নীচে রবীন্দ্রনাথের “তথ্য ও সত্য” প্রবন্ধ থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- যেমনটি আছে তেমনটির ভাব হল সত্য, আর সেই সত্য যাকে অবলম্বন করে থাকে, সেই হচ্ছে তথ্য।
- যথার্থ শূণী যখন একটা ঘোড়া আঁকেন তখন বর্ণ ও রেখা সংস্থানের দ্বারা একটি সুখমা উদ্ভাবন করে সেই ঘোড়াটিকে একটি সত্যরূপে আমাদের কাছে পৌঁছিয়ে দেন।
- আমাদের মনকে সত্যের স্বাদ দেওয়াই হচ্ছে সাহিত্য ও ললিতকলার প্রধান কাজ।
- রবীন্দ্রনাথ জ্ঞানদাসের এই চরণটি তাঁর প্রবন্ধে ব্যবহার করেছেন: ‘এক দুই গণইতে অন্ত নাহি পাই’।
- চিত্রী যখন ছবি আঁকতে বসেন, তখন তিনি তথ্যকে সম্পূর্ণ অস্বীকার করে সত্যকে ফুটিয়ে তোলেন।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 160][Question Description = 160_19_Bengali_SEPT22_Q60]

1. কেবল A, B এবং E

[Option ID = 637]

2. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 638]

3. কেবল B, D এবং E

[Option ID = 639]

4. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 640]

61) নীচে 'ঘরে-বাইরে' উপন্যাস থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. সন্দীপ হরিশ কুঞ্জর সঙ্গে যোগ দিয়ে খুব ধুম করে মহিষমর্দিনী পূজোর আয়োজন করছে।
- B. নিখিলেশের নামে লাল কালিতে লেখা যে একখানা চিঠি এসেছিল, তাতে পত্রলেখক নাম সই করেছিল অস্থিকাচরণ গুপ্ত।
- C. নায়েব কুলদার সাহায্যে সন্দীপ যার নৌকা ডুবিয়ে দিয়েছিল, তার নাম ছিল মিরজান।
- D. দিদিশাশুড়ির মৃত্যুর পরে বিমলা কলকাতায় গিয়ে থাকবার ইচ্ছা প্রকাশ করলেও নিখিলেশ নিজের জায়গা ছেড়ে যেতে রাজি হয়নি।
- E. নিখিলেশের পিসতুত বোন রাণুর স্বামীর নাম ছিল গোপাল।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 161][Question Description = 161_19_Bengali_SEPT22_Q61]

1. কেবল A, C এবং D

[Option ID = 641]

2. কেবল A, B এবং C

[Option ID = 642]

3. কেবল B, C এবং E

[Option ID = 643]

4. কেবল A, D এবং E

[Option ID = 644]

62) নীচে বাংলা ছন্দের মাত্রা ও কলা সম্পর্কে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. প্রবোধচন্দ্র সেনের আজীবনের অভিমত হল, বসন্ত পদ্যরচনার ছন্দ ও তার মাত্রা একাধারে কালাশ্রিত এবং কালাত্মক।
- B. 'ছন্দ-পরিক্রমা'র প্রথম সংস্করণ (১৯৬৫) থেকেই প্রবোধচন্দ্র বলে আসছেন যে, ছন্দে মাত্রা ও কলা অভিন্নার্থক নয়।
- C. অমূল্যধন মুখোপাধ্যায়ের 'বাংলা ছন্দের মূলসূত্র' গ্রন্থের সপ্তম সংস্করণেও (১৯৮৩) একমাত্র কলাই ছন্দের মাত্রা বলে স্বীকৃত হয়েছে।
- D. 'বাংলা ছন্দের সমস্ত হিসাব চলে মাত্রা অনুসারে।' এই মত অমূল্যধন মুখোপাধ্যায়ের।
- E. বাংলা ছন্দের আলোচনাতে 'মাত্রাবৃত্ত' নামের প্রয়োগ দেখা যায় ঊনবিংশ শতক থেকেই।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 162][Question Description = 162_19_Bengali_SEPT22_Q62]

1. A, B এবং C

[Option ID = 645]

2. B, C এবং D

[Option ID = 646]

3. C, D এবং E

[Option ID = 647]

4. E, A এবং B

[Option ID = 648]

63) নীচে शदालंकार বিষयक कयेकटि शुद्ध-अशुद्ध मन्तव्य देओया हल:

- A. एकटि मात्र व्यञ्जनवर्ण दुवार मात्र ध्वनित हले हय वृत्तनुप्रास ।
- B. एकटि मात्र व्यञ्जनवर्ण बहुवार ध्वनित हले हवे श्रुतानुप्रास ।
- C. दुटि वा तार বেশि व्यञ्जनवर्ण युक्त वा वियुक्त थेके क्रमानुसारे मात्र दुवार ध्वनित हले हय छेकानुप्रास ।
- D. व्यञ्जनशुद्ध युक्त वा अयुक्तभावे क्रमानुसारे बहुवार ध्वनित हले हय सर्वानुप्रास ।

प्रदत्त संकेते ये-विकल्पटिंते सबकटि मन्तव्य शुद्ध सेटि हल:

[Question ID = 163][Question Description = 163_19_Bengali_SEPT22_Q63]

1. A एवं D शुद्ध

[Option ID = 649]

2. A एवं C शुद्ध

[Option ID = 650]

3. B एवं D शुद्ध

[Option ID = 651]

4. B एवं C शुद्ध

[Option ID = 652]

64) नीचे आरिस्टटलर पोयेटिक्स् थेके कयेकटि शुद्ध-अशुद्ध मन्तव्य देओया हल:

- A. यिनि ट्राजेडिडर डालेमन्ड विचार करते पारबेन, तिनि महाकाव्येर डालेमन्ड विचारे समर्थ हबेन ।
- B. आरिस्टटलर मते कोरासेर व्यवहार एडरिपिडेसेर मते ना हये सोफोक्लेसेर मते हओयाइ बाङ्गनीय ।
- C. ओदेसि हल सरल कहिनि एवं तार शेष विपर्यये ।
- D. महाकाव्य हल मितछन्देर वर्णनाश्रक कहिनि ।
- E. कविताय कवि उन्नतपुरुसे यखन कथा बलेन, तखन तिनि नितान्तुइ अनुकारक ।

प्रदत्त संकेतशुल्लि येटिंते सबकटि मन्तव्य शुद्ध, सेटि हल:

[Question ID = 164][Question Description = 164_19_Bengali_SEPT22_Q64]

1. केवल A, B एवं E

[Option ID = 653]

2. केवल B, C एवं D

[Option ID = 654]

3. केवल A, B एवं D

[Option ID = 655]

4. केवल A, C एवं D

[Option ID = 656]

65) নীচে 'উজ্জ্বলনীলমণি' অবলম্বনে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. মুখ্য সম্বোধন সর্বমোট চার প্রকার।
- B. সুদূর প্রবাস ভাবী, ভবন, ভূত ভেদে তিন প্রকার।
- C. প্রবাসাখ্য বিপ্রলম্বে আটটি দশা হয়ে থাকে।
- D. শ্রবণজাত পূর্বরাগ পাঁচটি উৎস থেকে জাত হয়।

প্রদত্ত সংকেতগুলির যেটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 165][Question Description = 165_19_Bengali_SEPT22_Q65]

1. A এবং B শুদ্ধ

[Option ID = 657]

2. B এবং C শুদ্ধ

[Option ID = 658]

3. B এবং D শুদ্ধ

[Option ID = 659]

4. A এবং C শুদ্ধ

[Option ID = 660]

66) প্রথম তালিকায় কয়েকটি শব্দ এবং দ্বিতীয় তালিকায় অর্থপরিবর্তনের ধারাগুলি উল্লেখ করা হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. মীরজাফর	i. অর্থোন্নতি
B. সন্দেহ	ii. অর্থাবনতি
C. মহাজন	iii. অর্থসংশ্লেষ
D. মন্দির	iv. অর্থবিস্তার

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 166][Question Description = 166_19_Bengali_SEPT22_Q66]

1. A - iv, B - ii, C - i, D - iii

[Option ID = 661]

2. A - iv, B - iii, C - ii, D - i

[Option ID = 662]

3. A - ii, B - iii, C - i, D - iv

[Option ID = 663]

4. A - iv, B - i, C - ii, D - iii

[Option ID = 664]

- 67) 'মৈমনসিংহ-গীতিকা'র 'মহুয়া' পালা অনুসরণে প্রথম তালিকায় চরিত্রের নাম ও দ্বিতীয় তালিকায় তাদের উক্তি দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. নদের চাঁদ	i. একটি বার কহিয়া কথা পরাণ জুড়াও
B. সন্ন্যাসী	ii. দুইজনে তুলিব ফুল সকাল ও বিয়ান
C. হুমরা বেদে	iii. নবীন যইবন কইন্যা ভুলা তোমার মন
D. সাধু	iv. একটি বার মনের কথা কও না কেনে গুনি
E. পালঙ্ক সই	v. পায়ে ধরি মাগি কইন্যা তোমার যইবন

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 167][Question Description = 167_19_Bengali_SEPT22_Q67]

1. A - iii , B - v , C - i , D - ii , E - iv

[Option ID = 665]

2. A - v , B - i , C - iv , D - iii , E - ii

[Option ID = 666]

3. A - iv , B - iii , C - v , D - ii , E - i

[Option ID = 667]

4. A - ii , B - iv , C - v , D - i , E - iii

[Option ID = 668]

- 68) নীচে প্রথম তালিকায় পাঁচটি কবিতার নাম এবং দ্বিতীয় তালিকায় পাঁচটি কাব্যগ্রন্থের নাম দেওয়া হল :

তালিকা 1	তালিকা 2
A. ঘর	i. আলো ও ছায়া
B. গান	ii. তুমি শুধু পঁচিশে বৈশাখ
C. সুখ	iii. পারাপার
D. পাথরের ফুল	iv. খসড়া
E. বিনিময়	v. যত দূরেই যাই

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 168][Question Description = 168_19_Bengali_SEPT22_Q68]

1. A - iii , B - ii , C - i , D - v , E - iv

[Option ID = 669]

2. A - iii , B - i , C - ii , D - v , E - iv

[Option ID = 670]

3. A - iv , B - ii , C - i , D - v, E - iii

[Option ID = 671]

4. A - iv , B - ii , C - i , D - iii, E - v

[Option ID = 672]

- 69) নীচে প্রথম তালিকায় 'তুঙ্গভদ্রার তীরে' উপন্যাসের কয়েকজন চরিত্র ও দ্বিতীয় তালিকায় তাঁদের কয়েকটি উক্তি দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. অর্জুনবর্মা	i. আমরা যা অনুমান করেছিলাম তা মিথ্যা নয়।
B. লক্ষ্মণ মল্লপ	ii. আমার মন বলছে তার মতলব ভাল নয়।
C. বলরাম	iii. শাস্ত্রে বলে স্ত্রীজাতি কখনো স্বাভাব্য পায় না।
D. রাজা দেবরায়	iv. তোমরা গোপনীয় রাজকার্যে ব্যাপৃত আছ।
E. চতুর্ভুজ নায়ক	v. ওদের গুহায় থাকার ব্যবস্থা করেছি।

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 169][Question Description = 169_19_Bengali_SEPT22_Q69]

1. A - ii, B - iii, C - v, D - i, E - iv

[Option ID = 673]

2. A -ii, B - iv, C - v, D - iii, E - i

[Option ID = 674]

3. A - iii, B - v, C - i, D - ii, E - iv

[Option ID = 675]

4. A - iii, B - ii, C - iv, D - v, E - i

[Option ID = 676]

70) পাঠ্য গল্প অনুসরণে প্রথম তালিকায় কয়েকটি বাড়ির প্রসঙ্গ এবং দ্বিতীয় তালিকায় গল্পের নাম দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. অবাড়ন্ত শরীর মেয়েদের বয়সের মতো, এ বাড়িতে বেলা যেন বাড়ে না	i. আত্মভুক
B. খোলার চালের ঘর একখানা আর একফালি দালান	ii. শহীদের মা
C. এ পাড়ায় ওই একটি বাড়িতেই অপর দিকে তাকালে ধবধবে সাদা দেওয়াল দেখা যায়	iii. কানাকড়ি
D. বাড়িটা নিরুমা। কাঠের ফ্রেম, টিনের দেওয়াল, মাথায় টিনের চাল	iv. নিম্ন অন্নপূর্ণা
E. যে বাড়ি থেকে কালোয়াতি গান আসে, ফোড়নের গন্ধ আসে, বিড়ালের বাগড়ার শব্দ আসে	v. ইদুর

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 170][Question Description = 170_19_Bengali_SEPT22_Q70]

1. A - iii , B - v , C - i , D - ii, E - iv

[Option ID = 677]

2. A - ii, B - iii , C - v , D - i, E - iv

[Option ID = 678]

3. A - iv , B - i , C - ii, D - v, E - iii

[Option ID = 679]

4. A - v , B - iv , C - ii , D - iii, E - i

[Option ID = 680]

71)

নীচে প্রথম তালিকায় 'সাজাহান' নাটক থেকে কয়েকটি চরিত্র এবং দ্বিতীয় তালিকায় তাদের সংলাপ প্রদত্ত হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. দারা	i. আমি চতুর বলে আমার একটা অহঙ্কার ছিল; কিন্তু দেখলাম সে বিষয়ে জাহাপনার কাছে আমি শিশু।
B. জাহানারা	ii. জাঁহাপনা ভাবছেন যে সংসারকে খুব ধাক্কা দিলেন। সংসার কিন্তু মনে মনে খুব বুঝালো; কেবল ভয়ে কথাটি কইল না।
C. মহম্মদ সুলতান	iii. শয়তানের চাকরি করে' ভেবেছে যে ঈশ্বর নাই? ঈশ্বর আছেন।
D. দিলদার	iv. ঈশ্বর! দয়াময়! তোমার রচনা এমন সুন্দর অথচ এমন নিষ্ঠুর! এই মায়ের আর ছেলের পরস্পরকে রক্ষা করবার জন্য এই কান্না - অথচ কেউ কাউকে রক্ষা করতে পাচ্ছে না।
E. যশোবন্ত সিংহ	v. ছলে সরল ডাতাকে বন্দী করা, স্নেহময় পিতাকে সিংহাসন-চ্যুত করা, আর ধর্মের নামে এসে সেই সিংহাসনে বসা - এর নাম যদি রাজনীতি হয়, তা হ'লে সে রাজনীতি আমার জন্য নয়।

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 171][Question Description = 171_19_Bengali_SEPT22_Q71]

1. A - v, B - i, C - iv, D - iii, E - ii

[Option ID = 681]

2. A - v, B - iii, C - iv, D - i, E - ii

[Option ID = 682]

3. A - iv, B - iii, C - v, D - ii, E - i

[Option ID = 683]

4. A - iii, B - iv, C - i, D - iii, E - v

[Option ID = 684]

72)

রামমোহন রায়ের 'সহমরণ বিষয়ক প্রবর্তক ও নিবর্তকের সম্বাদ: প্রথম প্রস্তাব' রচনা থেকে নীচের প্রথম তালিকায় কয়েকজন শাস্ত্রকার বা শাস্ত্রগ্রন্থের নাম এবং দ্বিতীয় তালিকায় ওই শাস্ত্রকার বা শাস্ত্রগ্রন্থের বচনের অংশবিশেষ উদ্ধৃত হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. ঋগ্বেদ	i. পতিব্রতা সম্প্রদপ্তিং প্রবিবেশ হুতাশনং।
B. ব্যাস	ii. ঋগ্বেদবাদাৎ সাধ্বী স্ত্রী ন ভবেদাঘ্রঘাতিনী।
C. ব্রহ্মপুরাণ	iii. আসীতামরণাৎ ক্ষান্তা নিয়তা ব্রহ্মচারিণী।
D. মনু	iv. ইমা নারীরবিধবাঃ সুপত্নীরাঞ্জনেন সর্পিষা সংবিশস্ত।

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 172][Question Description = 172_19_Bengali_SEPT22_Q72]

1. A-iv, B-i, C-ii, D-iii

[Option ID = 685]

2. A-iii, B-iv, C-ii, D-i

[Option ID = 686]

3. A-ii, B-iii, C-iv, D-i

[Option ID = 687]

4. A-iv, B-ii, C-i, D-iii

[Option ID = 688]

- 73) নীচে প্রথম তালিকায় 'অচলায়তন' নাটকের কয়েকটি চরিত্রের নাম ও দ্বিতীয় তালিকায় নাটকের শেষে তাঁদের জন্য গুরু যে কাজ নির্দিষ্ট করেছেন, তা উল্লেখ করা হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. পঞ্চক	i. কী করে আপনাকে আপনি ছাড়িয়ে উঠতে হয়, সেইটে শেখাবার ভার ওর ওপর।
B. সুভদ্র	ii. কারাগার যা ছিল সে তো আমি ভেঙে ফেলেছি, এখন সেই উপকরণ দিয়ে সেইখানেই তোমাকে মন্দির গাঁথে তুলতে হবে।
C. আচার্য	iii. এখন তুমি আছ ভাই, আর আমি আছি। দুজনে মিলে কেবলই উত্তর দক্ষিণ পূব পশ্চিমের সমস্ত দরজা-জানলাগুলো খুলে খুলে বেড়াব।
D. মহাপঞ্চক	iv. তোমাকে আর কাজ করতে হবে না... তুমি আমার সঙ্গে এসো।

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরের বিকল্পটি হল:

[Question ID = 173][Question Description = 173_19_Bengali_SEPT22_Q73]

1. A - ii, B - iii, C - iv, D - i

[Option ID = 689]

2. A - iv, B - i, C - ii, D - iii

[Option ID = 690]

3. A - iii, B - ii, C - iv, D - i

[Option ID = 691]

4. A - i, B - iii, C - iv, D - ii

[Option ID = 692]

- 74) বাংলা ছন্দচর্চার ইতিহাসে গুরুত্বপূর্ণ গ্রন্থ সত্যেন্দ্রনাথের 'ছন্দ-সরস্বতী' অনুসরণ করে নীচের প্রথম তালিকায় 'প্রকাশ' নামে উল্লেখিত অধ্যায়গুলির নাম এবং দ্বিতীয় তালিকায় সংশ্লিষ্ট কয়েকটা 'মূর্তি'র নাম দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. প্রথম প্রকাশ	i. দৃশ্যশ্রী মূর্তি
B. দ্বিতীয় প্রকাশ	ii. আদ্যাশ্রী মূর্তি
C. তৃতীয় প্রকাশ	iii. মঞ্জুশ্রী মূর্তি
D. চতুর্থ প্রকাশ	iv. হৃদ্যাশ্রী মূর্তি
E. পঞ্চম প্রকাশ	v. চিত্রশ্রী মূর্তি

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 174][Question Description = 174_19_Bengali_SEPT22_Q74]

1. A-ii, B-iv, C-v, D-i, E-iii

[Option ID = 693]

2. A-iii, B-v, C-i, D-ii, E-iv

[Option ID = 694]

3. A-iv, B-i, C-ii, D-iii, E-v

[Option ID = 695]

4. A-v, B-iv, C-i, D-ii, E-iii

[Option ID = 696]

- 75) নীচে আরিস্টটলের 'পোয়েটিক্স' অবলম্বনে প্রথম তালিকায় কয়েকজন ব্যক্তি এবং দ্বিতীয় তালিকায় তাঁদের কাজের বিবরণ দেওয়া হল:

তালিকা ১	তালিকা ২
A. আলকিরিয়াদেস	i. কুপ্রিয়া নাটকের রচয়িতা
B. এপিখারমস	ii. গ্রিক চিত্রকর
C. জেউখিস	iii. ট্রাজেডি রচয়িতাদের ব্যঙ্গকারী
D. আরিফ্রাদেস	iv. কমেডির কাহিনি নির্মাণের সূচনাকারী
E. দিকায়ওগেনুস	v. আথেলের সেনাপত্য

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্যবিধান করে নীচের তালিকায় ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 175][Question Description = 175_19_Bengali_SEPT22_Q75]

1. A - iv, B - iii, C - i, D - v, E - ii

[Option ID = 697]

2. A - iv, B - ii, C - iii, D - i, E - iv

[Option ID = 698]

3. A - ii, B - iv, C - iii, D - i, E - v

[Option ID = 699]

4. A - v, B - iv, C - ii, D - iii, E - i

[Option ID = 700]

- 76) 'শ্রীচৈতন্যভাগবত'-এ নগরভ্রমণ কালে চৈতন্যদেব যে বিচিত্র বৃত্তিধারী মানুষের দেখা পেয়েছিলেন তাঁদের বৃত্তিনাম নীচে দেওয়া হল :

- A. গোপ
B. গন্ধবণিক
C. তাম্বুলি
D. তন্তুবায়
E. মালাকার

কাব্যে এই বৃত্তিনামগুলি যে ক্রমে এসেছে প্রদত্ত সংকেতে তার ঠিক ক্রমের শুদ্ধ বিকল্পটি হল :

[Question ID = 176][Question Description = 176_19_Bengali_SEPT22_Q76]

1. D, A, B, E, C

[Option ID = 701]

2. C, A, D, E, B

[Option ID = 702]

3. A, E, B, C, D

[Option ID = 703]

4. B, E, A, C, D

[Option ID = 704]

77) 'সাধের আসন' কাব্যগ্রন্থের নবম সর্গের ('আসনদাত্রী দেবী') প্রথম পাঁচটি স্তবকের প্রথম পংক্তিগুলি নীচে দেওয়া হল:

- A. তোমার উৎসাহ-ধারা
- B. সাক্ষাৎ আমার প্রাণ
- C. চলিয়া গিয়াছ তুমি
- D. তোমার আসনখানি
- E. সাহিত্য-সংসারে তুমি

নীচের সংকেতে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল :

[Question ID = 177][Question Description = 177_19_Bengali_SEPT22_Q77]

1. D, B, E, A, C

[Option ID = 705]

2. B, C, D, A, E

[Option ID = 706]

3. C, D, A, B, E

[Option ID = 707]

4. C, A, B, E, D

[Option ID = 708]

78) 'ঢোঁড়াইচরিত মানস' অবলম্বনে তুলসীদাসের কয়েকটি পংক্তি উল্লেখ করা হল :

- A. জলু পয় সরিস বিকাই।
দেখছু শ্রীতি কি রীতি ভলি।।
- B. শুভ আচরণ কতহুঁ নেহি হোই।
দেব বিপ্র গুরু মানই ন কোঈ।।
- C. জাকে নখ অর জুটা বিশালা।
সেই তাপস প্রসিদ্ধ কলিকালা।।
- D. নূপ পাপপরায়ণ ধর্ম নহী।
করি দণ্ড বিড়ম্ব প্রজা নিতহী।।
- E. পয়স পলি অহি অতি অনুরাগ।
হোহিঁ নিরামিয় কবহুঁ কি কাগা।।

নীচের সংকেতে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল :

[Question ID = 178][Question Description = 178_19_Bengali_SEPT22_Q78]

1. D, C, A, E, B

[Option ID = 709]

2. E, C, B, A, D

[Option ID = 710]

3. C, A, B, E, D

[Option ID = 711]

4. E, A, C, B, D

[Option ID = 712]

79) জ্যোতিরিন্দ্র নন্দীর 'সমুদ্র' গল্প অনুসরণে কথকের প্রেক্ষণবিন্দু থেকে দেখা সমুদ্রের বর্ণনাসূচক কিছু প্রসঙ্গ নীচে দেওয়া হল:

- A. বেগোচ্ছল বিশাল ঢেউ হা-হা করে ছুটে আসছে
- B. উত্তাল অশান্ত ক্ষিপ্ত প্রখর
- C. উজ্জ্বল রৌদ্র বৃকে নিয়ে সমুদ্র এখন অন্য রূপ ধরেছে
- D. হাওয়ার বেগ বাড়ছে, সমুদ্র উত্তাল হয়েছে

গল্পে প্রসঙ্গগুলি যে ক্রমে এসেছে প্রদত্ত সংকেতে তার ঠিক বিকল্পটি হল :

[Question ID = 179][Question Description = 179_19_Bengali_SEPT22_Q79]

1. D, C, B, A

[Option ID = 713]

2. C, D, A, B

[Option ID = 714]

3. D, B, A, C

[Option ID = 715]

4. B, A, C, D

[Option ID = 716]

80) মোহিত চট্টোপাধ্যায়ের 'সিংহাসনের ক্ষয়রোগ' নাটকের পাঁচটি চরিত্রের নাম নীচে দেওয়া হল:

- A. রাণী
- B. চিত্রলেখা
- C. জীবনলাল
- D. দুর্গশাসক
- E. চিত্রকর

নাটকে এঁদের মুখে প্রথমবার সংলাপ উচ্চারিত হবার ক্রমানুসারে নীচের সংকেত থেকে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

[Question ID = 180][Question Description = 180_19_Bengali_SEPT22_Q80]

1. C, B, D, E, A

[Option ID = 717]

2. A, B, C, E, D

[Option ID = 718]

3. A, C, B, D, E

[Option ID = 719]

4. B, C, D, A, E

[Option ID = 720]

81) নীচে राससुन्दरी दासीर सन्तानदेर कयैकजनेर नाम देओया हल:

- A. द्वारकानाथ
- B. चन्द्रनाथ
- C. श्यामसुन्दरी
- D. प्यारीलाल
- E. रामसुन्दरी

नीचेर संकेते सन्तानदेर जन्मक्रमेर ठिक विकल्लति हल:

[Question ID = 181][Question Description = 181_19_Bengali_SEPT22_Q81]

1. C, B, E, A, D

[Option ID = 721]

2. E, D, A, B, C

[Option ID = 722]

3. B, A, C, D, E

[Option ID = 723]

4. D, C, A, E, B

[Option ID = 724]

82) नीचे 'घरे-बाहरे' उपन्यास थेके विमलार आत्कथार कयैकटि अंश उद्धृत करा हल:

A. आमी ढोड़ाय सन्दीपबाबुके भक्ति करते आरम्भ करेहिलुम, किन्तु से भक्ति गेल भेसे। ताँके श्रद्धाओ करि ने, एमन-कि ताँके अश्रद्धाई करि। आमी खुब स्पष्ट करेई बुवेहिलि आमार स्वामीर सङ्गे ताँर तुलनाई हय ना।

B. समस्त देशेर उपर एई ये एकाटा प्रबल आवेग हठां भेङ्गे पड़ल, ठिक एई जिनिसटाई आमार जीवनेर मध्ये आर-एक सुरु निये टुकेहिल। आमार भाग्य-देवतार रथ आसहे, कोथा थेके तार सेई चाकार शब्दे दिनरात्रि आमार बुकेर भितर घुर्-घुर् करहे।

C. बाजार थेके विदेशी माल विदाय करवार कथा यखन स्वामीर काहे बलते गेलुम तखन जानतुम एई निये खानिकटा कथा-काटाकाटि चलवे। किन्तु आमार एकाटा विश्वास हिल ये, तर्करे द्वारा तर्कके निरस्त करा आमार पक्षे अनावश्यक। आमार चार दिकेर बायुमण्डले एकाटा जादु आहे।

D. आमी आङ्गनेर मध्ये दिये बेरिये एसेहिलि; या ढोड़वार ता पुड़े छई हये गेहे, या बाकि आहे तार आर मरण नेई।

E. एमनि आमार कपाल, आमार स्वामी आमाके सेई पूजार अवकाश दिते चाहतेन ना। सेई हिल ताँर महत्त्व। तीर्थेर अर्थापिशाच पाण्डू पूजार जन्ये काड़ाकाड़ि करे, केनना से पूजनिय नय; पृथिवीते यारा कापूरुन ताराई स्त्रीर पूजा दावि करे थाके। ताते पूजारी ओ पूजित दुईयेरई अपमानेर एकशेव।

नीचेर संकेत थेके उपन्यासे विमलार आत्कथार शुद्ध क्रमेर ठिक विकल्लति हल:

[Question ID = 182][Question Description = 182_19_Bengali_SEPT22_Q82]

1. E, A, B, C, D

[Option ID = 725]

2. A, B, C, E, D

[Option ID = 726]

3. C, A, E, D, B

[Option ID = 727]

4. B, A, E, D, C

[Option ID = 728]

83) নীচে ছন্দ বিষয়ক কয়েকটি বই কিংবা প্রবন্ধের প্রকাশ-সংক্রান্ত তথ্যের একটি তালিকা দেওয়া হল:

- A. রবীন্দ্রনাথের 'ছন্দ' বইটির প্রথম প্রকাশ
- B. সত্যেন্দ্রনাথ দত্তের 'ছন্দ-সরস্বতী'র সাময়িক পত্রে প্রথম প্রকাশ
- C. প্রবোধচন্দ্র সেনের 'শ্রীকৃষ্ণকীর্তন কাব্যের ছন্দ' সাহিত্য পরিষদ পত্রিকায় প্রকাশ
- D. অমূল্যধন মুখোপাধ্যায়ের 'বাংলা ছন্দের মূলসূত্র' বইটির প্রথম প্রকাশ

নীচের সংকেতে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

[Question ID = 183][Question Description = 183_19_Bengali_SEPT22_Q83]

1. C, D, A, B

[Option ID = 729]

2. B, D, A, C

[Option ID = 730]

3. D, A, B, C

[Option ID = 731]

4. A, C, D, B

[Option ID = 732]

84) নীচে পূর্বরাগের দশটি দশা থেকে কয়েকটি উল্লেখ করা হল:

- A. তানব
- B. জাগর্য্যা
- C. ব্যাধি
- D. বৈয়ত্র্যা
- E. জড়িমা

নীচের সংকেতে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

[Question ID = 184][Question Description = 184_19_Bengali_SEPT22_Q84]

1. B, E, A, D, C

[Option ID = 733]

2. B, A, E, D, C

[Option ID = 734]

3. B, A, D, E, C

[Option ID = 735]

4. A, C, E, D, B

[Option ID = 736]

85) 'পথের পাঁচালী' উপন্যাস অবলম্বনে কয়েকটি ঘটনা ও ঘটনা-সম্পর্কিত উক্তি নীচে উল্লেখ করা হল:

- A. "কাল পালিতদের বাগানে বিকেলবেলা যাব-- কামরাঙ্গা যা পেকেছে"
- B. "অপু, চল যাই আমরা রেলের রাস্তা দেখে আসি-"
- C. দুর্গা অপূর গড়ের পুকুরে পানফল তুলতে যাওয়া
- D. "রথের আর কতদিন আছে রে দিদি?"
- E. দুর্গাদের ঘটিবাটি নিয়ে পিতম কাঁসারীর অন্তর্ধান

নীচের সংকেতে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

[Question ID = 185][Question Description = 185_19_Bengali_SEPT22_Q85]

1. A, E, B, C, D

[Option ID = 737]

2. C, A, E, D, B

[Option ID = 738]

3. D, A, C, E, B

[Option ID = 739]

4. C, A, B, E, D

[Option ID = 740]

86) হরপ্রসাদ শাস্ত্রী আবিষ্কৃত চর্যা পুথির ২ সংখ্যক গান অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য এবং দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: 'রথের তেত্তলি কুস্মীরে খাঅ'

যুক্তি: কেননা 'দিবসই বহুড়ী কাড়ই ডরে ভাঅ'

দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে ঠিক বিকল্পটি হল:

[Question ID = 186][Question Description = 186_19_Bengali_SEPT22_Q86]

1. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক

[Option ID = 741]

2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়

[Option ID = 742]

3. মন্তব্য ঠিক কিন্তু যুক্তি ভুল

[Option ID = 743]

4. মন্তব্য ভুল কিন্তু যুক্তি ঠিক

[Option ID = 744]

87) 'পুতুলনাচের ইতিকথা' উপন্যাস অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য এবং দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: সকালে আকাশের দিকে চেয়ে তারা বলতে পারে বিকেলে বৃষ্টি হবে।

যুক্তি: কেননা গাওদিয়া গ্রামের লোকজনের জলবায়ু সম্বন্ধে সাধারণ জ্ঞান বেশি।

উপরের দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে ঠিক বিকল্পটি হল :

[Question ID = 187][Question Description = 187_19_Bengali_SEPT22_Q87]

1. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ঠিক

[Option ID = 745]

2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়

[Option ID = 746]

3. মন্তব্য ঠিক, কিন্তু যুক্তি ভুল

[Option ID = 747]

4. মন্তব্য ভুল, কিন্তু যুক্তি ঠিক

[Option ID = 748]

88) 'কুড়ানো মেয়ে' গল্প অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল:

বিবৃতি ১: পুত্রবধূর মৃত্যুর পর বেহাই বাড়ি যাওয়ার পথে সীতানাথের মন সবিশেষ বিমগ্ন হয়েছিল।

বিবৃতি ২: সীতানাথের বড়ো ছেলে শ্রীনিবাস কলকাতার মেসে থেকে রীতিমতো আইন পাশ করেছিল।

উপরের দুটি বিবৃতির পরিশ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 188][Question Description = 188_19_Bengali_SEPT22_Q88]

1. উভয় বিবৃতিই ঠিক

[Option ID = 749]

2. বিবৃতি ১ ঠিক কিন্তু বিবৃতি ২ ভুল

[Option ID = 750]

3. বিবৃতি ১ ভুল কিন্তু বিবৃতি ২ ঠিক

[Option ID = 751]

4. উভয় বিবৃতিই ভুল

[Option ID = 752]

89) নীচে পোয়েটিক্স অবলম্বনে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য, দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য : ট্রাজেডি একটি পরিপূর্ণ এবং সমগ্র ক্রিয়ার অনুকরণ। তাতে একটি নির্দিষ্ট আয়তন আছে।

যুক্তি : যা সমগ্র, তার একটি নির্দিষ্ট আয়তন থাকে।

দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

[Question ID = 189][Question Description = 189_19_Bengali_SEPT22_Q89]

1. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক

[Option ID = 753]

2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়

[Option ID = 754]

3. মন্তব্য ঠিক, কিন্তু যুক্তি ভুল

[Option ID = 755]

4. মন্তব্য ভুল, কিন্তু যুক্তি ঠিক

[Option ID = 756]

90) নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল:

বিবৃতি ১: 'আমি বিংশ শতাব্দীর সমান বয়সী', এই বাক্যটি রয়েছে সুধীন্দ্রনাথ দত্তের 'সংবর্ত' কবিতায়।

বিবৃতি ২: 'উত্তরচল্লিশ আমি', এই বাক্যটি পাওয়া যাবে সুধীন্দ্রনাথ দত্তের 'যযাতি' কবিতায়।

উপরের দুটি বিবৃতির পরিপ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

[Question ID = 190][Question Description = 190_19_Bengali_SEPT22_Q90]

1. উভয় বিবৃতিই ঠিক

[Option ID = 757]

2. বিবৃতি ১ ঠিক কিন্তু বিবৃতি ২ ভুল

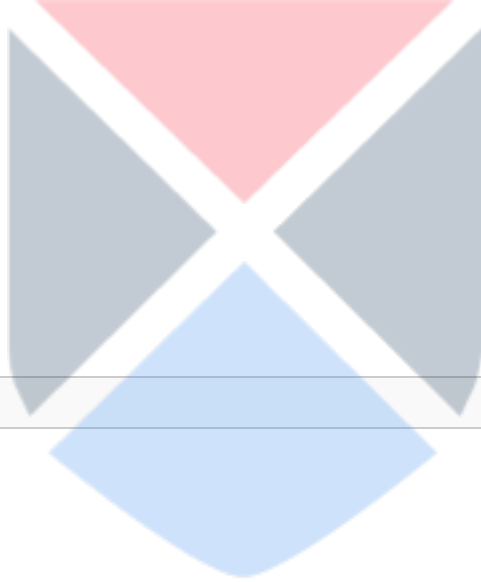
[Option ID = 758]

3. বিবৃতি ১ ভুল কিন্তু বিবৃতি ২ ঠিক

[Option ID = 759]

4. উভয় বিবৃতিই ভুল

[Option ID = 760]



Topic:- 019_SH1_SET1_PART_B

1)

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

একটা সময় ছিল, যখন গল্প মানুষের মুখে মুখে ফিরত। যোগেশচন্দ্র রায় বিদ্যানিধি বলেছেন, আমরা গল্প বলি এবং করি। একটা সময় প্রতি পরিবারে বা পাড়ায় অন্তত একজন করে কথক বা কথকিনীর দেখা মিলত যাঁরা গল্প বলতেন অথবা এমন একজন যিনি সঙ্গী পেলেই গল্প করতে বসে যেতেন। যোগেশচন্দ্রের গ্রামে একজন গোমস্তা ছিলেন, যাকে লোকে বলত গল্পের 'ধুকড়ী'। এরকম গোম্লে মানুষ এখন আর তেমন দেখা যায় না। লালবিহারী দে-র 'বেঙ্গল পেজান্ট লাইফ'-এ শম্ভুর মা বলে এরকম একজনকে পাওয়া যায়। লালবিহারী জানিয়েছেন তিনি কাঙ্ক্ষিত চরিত্র নন। কিন্তু ১৮৮০ নাগাদ লালবিহারী দে যখন লোককথা সংগ্রহ করতে যাচ্ছেন তার অনেক আগেই সেই কথক ঠাকুরাণীর মৃত্যু হয়। লালবিহারী অবশ্য কিছু গল্প সংগ্রহ করেছিলেন এক মহিলার কাছ থেকে যা তিনি শুনেছিলেন তাঁর ঠাকুরমার মুখে। তিনটি গল্প পেয়েছিলেন এক নাপিতের কাছ থেকে, এক বৃদ্ধ ব্রাহ্মণও শুনেছিলেন দুটো গল্প, আবার বাড়ির ভৃত্যও জোগান দিয়েছিল কয়েকটি। বস্তুত এইসব নিয়েই গাঁথা হয়েছিল তাঁর 'ফোক টেলস অফ বেঙ্গল'।

দক্ষিণারঙ্গন মিত্র মজুমদারের অভিজ্ঞতাও কতকটা একই রকম। বেশ কিছু গল্প তিনি পেয়েছিলেন এক তাঁতিবউয়ের কাছ থেকে। তারও অনেক পরে এ. কে. রামানুজেন তাঁর 'এ ফ্লাওয়ারিং ট্রি অ্যান্ড আদার স্টোরিজ'-এ আমাদের যে গল্প উপহার দিয়েছেন তা তাঁর শৈশবে শোনা — বাড়ির চাকরানি আর পাড়ার দরজি-ছুতোর আর নাপিতের মুখ থেকে। চন্দ্রকুমার দে মহুয়ার গল্পটি শুনেছিলেন এক মুসলমান চামির মুখে, দক্ষিণাচরণ মালধর্মালার গল্পটি সংগ্রহ করেছিলেন এক বৌদ্ধ সন্ন্যাসিনীর কাছ থেকে আর লালবিহারী দে-কে যাঁরা গল্প শুনেছিলেন তাঁদের অনেকেই ছিলেন খ্রিস্টান।

একজন অতি বৃদ্ধ লোকের মৃত্যু হলে একটা যুগের সঙ্গে সঙ্গে লুপ্ত হয়ে যায় একটা গল্পের ভাণ্ডারও। কারণ আমরা লোককথা সংগ্রহ করে রাখি কিন্তু গল্পসল্পের যে গল্প তার দু' এক টুকরো খালি পাওয়া যায় স্মৃতিকথায়।

একথা বলা সম্ভবত ভুল হবে না যে, জীবনে সুস্থিতি থাকলেই গল্প জমে উঠতে পারে। যোগেশচন্দ্র তাঁর শৈশবে খুব বেশি গল্প শোনার সুযোগ পাননি কারণ দেশের তখন দারুণ দুর্দিন। সেটা উনিশ শতকের শেষ দিক। একদিকে ম্যালেরিয়া, অন্যদিকে জিনিসপত্রের মূল্য বৃদ্ধি — ছোটো চাষি স্বভাবতই রুটিবাজার টানে গ্রাম ছেড়ে পাড়ি দিচ্ছে শহরে। গ্রাম জীবনের স্বাভাবিক ছন্দটাই নষ্ট হয়ে যাচ্ছে। দক্ষিণারঙ্গন হয়তো সেই কারণেই বিশ শতকের প্রথমেই লোককথাগুলি সংগ্রহ করে রাখার জন্য ব্যস্ত হয়ে পড়েছিলেন।

উদ্ধৃত অংশ অনুসরণে লালবিহারী দে তাঁর লোককথা সংগ্রহের কাজ আরম্ভ করেছিলেন:

[Question ID = 191][Question Description = 191_19_Bengali_SEPT22_Q91]

1. অষ্টাদশ শতাব্দীর প্রথম দিকে

[Option ID = 761]

2. অষ্টাদশ শতাব্দীর শেষের দিকে

[Option ID = 762]

3. ঊনবিংশ শতাব্দীর প্রথম দিকে

[Option ID = 763]

4. ঊনবিংশ শতাব্দীর শেষের দিকে

[Option ID = 764]

2)

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

একটা সময় ছিল, যখন গল্প মানুষের মুখে মুখে ফিরত। যোগেশচন্দ্র রায় বিদ্যানিধি বলেছেন, আমরা গল্প বলি এবং করি। একটা সময় প্রতি পরিবারে বা পাড়ায় অন্তত একজন করে কথক বা কথকিনীর দেখা মিলত যাঁরা গল্প বলতেন অথবা এমন একজন যিনি সঙ্গী পেলেই গল্প করতে বসে যেতেন। যোগেশচন্দ্রের গ্রামে একজন গোমস্তা ছিলেন, যাকে লোকে বলত গল্পের 'খুকড়ী'। এরকম গোম্পে মানুষ এখন আর তেমন দেখা যায় না। লালবিহারী দে-র 'বেঙ্গল পেজান্ট লাইফ'-এ শম্ভুর মা বলে এরকম একজনকে পাওয়া যায়। লালবিহারী জানিয়েছেন তিনি কাঙ্ক্ষনিক চরিত্র নন। কিন্তু ১৮৮০ নাগাদ লালবিহারী দে যখন লোককথা সংগ্রহ করতে যাচ্ছেন তার অনেক আগেই সেই কথক ঠাকুরাণীর মৃত্যু হয়। লালবিহারী অবশ্য কিছু গল্প সংগ্রহ করেছিলেন এক মহিলার কাছ থেকে যা তিনি শুনেছিলেন তাঁর ঠাকুরমার মুখে। তিনটি গল্প পেয়েছিলেন এক নাপিতের কাছ থেকে, এক বৃদ্ধ ব্রাহ্মণও শুনিয়েছিলেন দুটো গল্প, আবার বাড়ির ভৃত্যও জোগান দিয়েছিল কয়েকটি। বস্তুত এইসব নিয়েই গাঁথা হয়েছিল তাঁর 'ফোক টেলস অফ বেঙ্গল'।

দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদারের অভিজ্ঞতাও কতকটা একই রকম। বেশ কিছু গল্প তিনি পেয়েছিলেন এক তাঁতিবউয়ের কাছ থেকে। তারও অনেক পরে এ. কে. রামানুজান তাঁর 'এ ফ্লাওয়ারিং ট্রি অ্যান্ড আদার স্টোরিজ'-এ আমাদের যে গল্প উপহার দিয়েছেন তা তাঁর শৈশবে শোনা — বাড়ির চাকরানি আর পাড়ার দরজি-ছুতোর আর নাপিতের মুখ থেকে। চন্দ্রকুমার দে মহুয়ার গল্পটি শুনেছিলেন এক মুসলমান চামির মুখে, দক্ষিণাচরণ মালধর্মালার গল্পটি সংগ্রহ করেছিলেন এক বৌদ্ধ সন্ন্যাসিনীর কাছ থেকে আর লালবিহারী দে-কে যাঁরা গল্প শুনিয়েছিলেন তাঁদের অনেকেই ছিলেন খ্রিস্টান।

একজন অতি বৃদ্ধ লোকের মৃত্যু হলে একটা যুগের সঙ্গে সঙ্গে লুপ্ত হয়ে যায় একটা গল্পের ভাণ্ডারও। কারণ আমরা লোককথা সংগ্রহ করে রাখি কিন্তু গল্পসল্পের যে গল্প তার দু' এক টুকরো খালি পাওয়া যায় স্মৃতিকথায়।

একথা বলা সম্ভবত ভুল হবে না যে, জীবনে সুস্থিতি থাকলেই গল্প জমে উঠতে পারে। যোগেশচন্দ্র তাঁর শৈশবে খুব বেশি গল্প শোনার সুযোগ পাননি কারণ দেশের তখন দারুণ দুর্দিন। সেটা উনিশ শতকের শেষ দিক। একদিকে ম্যালেরিয়া, অন্যদিকে জিনিসপত্রের মূল্য বৃদ্ধি — ছোটো চাষি স্বভাবতই রুটিবাজার টানে গ্রাম ছেড়ে পাড়ি দিচ্ছে শহরে। গ্রাম জীবনের স্বাভাবিক ছন্দটাই নষ্ট হয়ে যাচ্ছে। দক্ষিণারঞ্জন হয়তো সেই কারণেই বিশ শতকের প্রথমেই লোককথাগুলি সংগ্রহ করে রাখার জন্য ব্যস্ত হয়ে পড়েছিলেন।

উদ্ধৃত গদ্যাংশ অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- শম্ভুর মার কথা আছে লালবিহারী দে-র 'বেঙ্গল পেজান্ট লাইফ' বইতে
- যোগেশচন্দ্র শৈশবে বিভিন্ন জনের কাছে বহু গল্প শুনেছিলেন
- একজন বৃদ্ধ মানুষের মৃত্যুর সঙ্গে সঙ্গে একটা যুগের অবসান ঘটলেও গল্পের ভাণ্ডার শেষ হয় না
- জীবনে সুস্থিতি ছাড়া গল্প জমে উঠতে পারে না
- দক্ষিণারঞ্জন লোককথা সংগ্রহ করে রাখার জন্য ব্যস্ত হয়ে উঠেছিলেন বিশ শতকের প্রথম দিকে

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 192][Question Description = 192_19_Bengali_SEPT22_Q92]

- কেবল A, B এবং C

[Option ID = 765]

- কেবল B, C এবং D

[Option ID = 766]

- কেবল A, D এবং E

[Option ID = 767]

- কেবল C, D এবং E

3) নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

একটা সময় ছিল, যখন গল্প মানুষের মুখে মুখে ফিরত। যোগেশচন্দ্র রায় বিদ্যানিধি বলেছেন, আমরা গল্প বলি এবং করি। একটা সময় প্রতি পরিবারে বা পাড়ায় অন্তত একজন করে কথক বা কথকিনীর দেখা মিলত যারা গল্প বলতেন অথবা এমন একজন যিনি সঙ্গী পেলেই গল্প করতে বসে যেতেন। যোগেশচন্দ্রের গ্রামে একজন গোমস্তা ছিলেন, যাকে লোকে বলত গল্পের 'ধুকড়ী'। এরকম গোমস্তা মানুষ এখন আর তেমন দেখা যায় না। লালবিহারী দে-র 'বেঙ্গল পেজান্ট লাইফ'-এ শম্ভুর মা বলে এরকম একজনকে পাওয়া যায়। লালবিহারী জানিয়েছেন তিনি কাঙ্ক্ষনিক চরিত্র নন। কিন্তু ১৮৮০ নাগাদ লালবিহারী দে যখন লোককথা সংগ্রহ করতে যাচ্ছেন তার অনেক আগেই সেই কথক ঠাকুরাণীর মৃত্যু হয়। লালবিহারী অবশ্য কিছু গল্প সংগ্রহ করেছিলেন এক মহিলার কাছ থেকে যা তিনি শুনেছিলেন তাঁর ঠাকুরমার মুখে। তিনটি গল্প পেয়েছিলেন এক নাপিতের কাছ থেকে, এক বৃদ্ধ ব্রাহ্মণও শুনেছিলেন দুটো গল্প, আবার বাড়ির ভৃত্যও জোগান দিয়েছিল কয়েকটি। বস্তুত এইসব নিয়েই গাঁথা হয়েছিল তাঁর 'ফোক টেলস অফ বেঙ্গল'।

দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদারের অভিজ্ঞতাও কতকটা একই রকম। বেশ কিছু গল্প তিনি পেয়েছিলেন এক তাঁতিবউয়ের কাছ থেকে। তারও অনেক পরে এ. কে. রামানুজান তাঁর 'এ ফ্লাওয়ারিং ট্রি অ্যান্ড আদার স্টোরিজ'-এ আমাদের যে গল্প উপহার দিয়েছেন তা তাঁর শৈশবে শোনা — বাড়ির চাকরানি আর পাড়ার দরজি-ছুতোর আর নাপিতের মুখ থেকে। চন্দ্রকুমার দে মহুয়ার গল্পটি শুনেছিলেন এক মুসলমান চামির মুখে, দক্ষিণাচরণ মালধর্মালার গল্পটি সংগ্রহ করেছিলেন এক বৌদ্ধ সন্ন্যাসিনীর কাছ থেকে আর লালবিহারী দে-কে যারা গল্প শুনেছিলেন তাঁদের অনেকেই ছিলেন খ্রিস্টান।

একজন অতি বৃদ্ধ লোকের মৃত্যু হলে একটা যুগের সঙ্গে সঙ্গে লুপ্ত হয়ে যায় একটা গল্পের ভাণ্ডারও। কারণ আমরা লোককথা সংগ্রহ করে রাখি কিন্তু গল্পসল্পের যে গল্প তার দু' এক টুকরো খালি পাওয়া যায় স্মৃতিকথায়।

একথা বলা সম্ভবত ভুল হবে না যে, জীবনে সুস্থিতি থাকলেই গল্প জমে উঠতে পারে। যোগেশচন্দ্র তাঁর শৈশবে খুব বেশি গল্প শোনার সুযোগ পাননি কারণ দেশের তখন দারুণ দুর্দিন। সেটা উনিশ শতকের শেষ দিক। একদিকে ম্যালেরিয়া, অন্যদিকে জিনিসপত্রের মূল্য বৃদ্ধি — ছোটো চাষি স্বভাবতই রুটিরুজির টানে গ্রাম ছেড়ে পাড়ি দিচ্ছে শহরে। গ্রাম জীবনের স্বাভাবিক ছন্দটাই নষ্ট হয়ে যাচ্ছে। দক্ষিণারঞ্জন হয়তো সেই কারণেই বিশ শতকের প্রথমেই লোককথাগুলি সংগ্রহ করে রাখার জন্য ব্যস্ত হয়ে পড়েছিলেন।

উদ্ধৃত গদ্যাংশ অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য ও দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: গল্প বলেন এমন মানুষের সংখ্যা এখনও প্রচুর

যুক্তি: কেননা জীবনে সুস্থিতি এলে তবেই গল্প জমে উঠতে পারে

দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

[Question ID = 193][Question Description = 193_19_Bengali_SEPT22_Q93]

1. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক

[Option ID = 769]

2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়

[Option ID = 770]

3. মন্তব্যটি ঠিক কিন্তু যুক্তি ভুল

[Option ID = 771]

4. মন্তব্য ভুল কিন্তু যুক্তি ঠিক

[Option ID = 772]

4)

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

একটা সময় ছিল, যখন গল্প মানুষের মুখে মুখে ফিরত। যোগেশচন্দ্র রায় বিদ্যানিধি বলেছেন, আমরা গল্প বলি এবং করি। একটা সময় প্রতি পরিবারে বা পাড়ায় অন্তত একজন করে কথক বা কথকিনীর দেখা মিলত যাঁরা গল্প বলতেন অথবা এমন একজন যিনি সঙ্গী পেলেই গল্প করতে বসে যেতেন। যোগেশচন্দ্রের গ্রামে একজন গোমস্তা ছিলেন, যাকে লোকে বলত গল্পের 'ধুকড়ী'। এরকম গোপ্পে মানুষ এখন আর তেমন দেখা যায় না। লালবিহারী দে-র 'বেঙ্গল পেজান্ট লাইফ'-এ শম্ভুর মা বলে এরকম একজনকে পাওয়া যায়। লালবিহারী জানিয়েছেন তিনি কাল্পনিক চরিত্র নন। কিন্তু ১৮৮০ নাগাদ লালবিহারী দে যখন লোককথা সংগ্রহ করতে যাচ্ছেন তার অনেক আগেই সেই কথক ঠাকুরাণীর মৃত্যু হয়। লালবিহারী অবশ্য কিছু গল্প সংগ্রহ করেছিলেন এক মহিলার কাছ থেকে যা তিনি শুনেছিলেন তাঁর ঠাকুরমার মুখে। তিনটি গল্প পেয়েছিলেন এক নাপিতের কাছ থেকে, এক বৃদ্ধ ব্রাহ্মণও শুনিয়েছিলেন দুটো গল্প, আবার বাড়ির ভৃত্যও জোগান দিয়েছিল কয়েকটি। বস্তুত এইসব নিয়েই গাঁথা হয়েছিল তাঁর 'ফোক টেল্‌স অফ বেঙ্গল'।

দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদারের অভিজ্ঞতাও কতকটা একই রকম। বেশ কিছু গল্প তিনি পেয়েছিলেন এক তাঁতিবউয়ের কাছ থেকে। তারও অনেক পরে এ. কে. রামানুজন তাঁর 'এ ফ্লাওয়ারিং ট্রি অ্যান্ড আদার স্টোরিজ'-এ আমাদের যে গল্প উপহার দিয়েছেন তা তাঁর শৈশবে শোনা — বাড়ির চাকরানি আর পাড়ার দরজি-ছুতোর আর নাপিতের মুখ থেকে। চন্দ্রকুমার দে মহয়ার গল্পটি শুনেছিলেন এক মুসলমান চামির মুখে, দক্ষিণাচরণ মালধর্মালার গল্পটি সংগ্রহ করেছিলেন এক বৌদ্ধ সন্ন্যাসিনীর কাছ থেকে আর লালবিহারী দে-কে যাঁরা গল্প শুনিয়েছিলেন তাঁদের অনেকেই ছিলেন খ্রিস্টান।

একজন অতি বৃদ্ধ লোকের মৃত্যু হলে একটা যুগের সঙ্গে সঙ্গে লুপ্ত হয়ে যায় একটা গল্পের ভাণ্ডারও। কারণ আমরা লোককথা সংগ্রহ করে রাখি কিন্তু গল্পসল্পের যে গল্প তার দু' এক টুকরো খালি পাওয়া যায় স্মৃতিকথায়।

একথা বলা সম্ভবত ভুল হবে না যে, জীবনে সুস্থিতি থাকলেই গল্প জমে উঠতে পারে। যোগেশচন্দ্র তাঁর শৈশবে খুব বেশি গল্প শোনার সুযোগ পাননি কারণ দেশের তখন দারুণ দুর্দিন। সেটা উনিশ শতকের শেষ দিক। একদিকে ম্যালেরিয়া, অন্যদিকে জিনিসপত্রের মূল্য বৃদ্ধি — ছোটো চাষি স্বভাবতই রুটিরঞ্জির টানে গ্রাম ছেড়ে পাড়ি দিচ্ছে শহরে। গ্রাম জীবনের স্বাভাবিক ছন্দটাই নষ্ট হয়ে যাচ্ছে। দক্ষিণারঞ্জন হয়তো সেই কারণেই বিশ শতকের প্রথমেই লোককথাগুলি সংগ্রহ করে রাখার জন্য ব্যস্ত হয়ে পড়েছিলেন।

উদ্ধৃত গদ্যাংশ অনুসরণে নীচে কয়েকজন লেখক সংগ্রাহকের নাম দেওয়া হল:

- লালবিহারী দে
- দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদার
- এ. টি. রামানুজন
- চন্দ্রকুমার দে
- যোগেশচন্দ্র রায় বিদ্যানিধি

প্রদত্ত সংকেতে উদ্ধৃত গদ্যাংশে নামগুলি যে ক্রমে এসেছে তার ঠিক বিকল্পটি হল:

[Question ID = 194][Question Description = 194_19_Bengali_SEPT22_Q94]

1. A, B, E, C, D

[Option ID = 773]

2. B, C, A, E, D

[Option ID = 774]

3. B, A, E, D, C

[Option ID = 775]

4. E, A, B, C, D

5)

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

একটা সময় ছিল, যখন গল্প মানুষের মুখে মুখে ফিরত। যোগেশচন্দ্র রায় বিদ্যানিধি বলেছেন, আমরা গল্প বলি এবং করি। একটা সময় প্রতি পরিবারে বা পাড়ায় অন্তত একজন করে কথক বা কথকিনীর দেখা মিলত যাঁরা গল্প বলতেন অথবা এমন একজন যিনি সঙ্গী পেলেই গল্প করতে বসে যেতেন। যোগেশচন্দ্রের গ্রামে একজন গোমস্তা ছিলেন, যাকে লোকে বলত গল্পের 'ধুকড়ী'। এরকম গোপ্পে মানুষ এখন আর তেমন দেখা যায় না। লালবিহারী দে-র 'বেঙ্গল পেজান্ট লাইফ'-এ শম্মুর মা বলে এরকম একজনকে পাওয়া যায়। লালবিহারী জানিয়েছেন তিনি কাল্পনিক চরিত্র নন। কিন্তু ১৮৮০ নাগাদ লালবিহারী দে যখন লোককথা সংগ্রহ করতে যাচ্ছেন তার অনেক আগেই সেই কথক ঠাকুরাণীর মৃত্যু হয়। লালবিহারী অবশ্য কিছু গল্প সংগ্রহ করেছিলেন এক মহিলার কাছ থেকে যা তিনি শুনেছিলেন তাঁর ঠাকুরমার মুখে। তিনটি গল্প পেয়েছিলেন এক নাপিতের কাছ থেকে, এক বৃদ্ধ ব্রাহ্মণও শুনেছিলেন দুটো গল্প, আবার বাড়ির ভৃত্যও জোগান দিয়েছিল কয়েকটি। বস্তুত এইসব নিয়েই গাঁথা হয়েছিল তাঁর 'ফোক টেল্‌স অফ বেঙ্গল'।

দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদারের অভিজ্ঞতাও কতকটা একই রকম। বেশ কিছু গল্প তিনি পেয়েছিলেন এক তাঁতিবউয়ের কাছ থেকে। তারও অনেক পরে এ. কে. রামানুজান তাঁর 'এ ফ্লাওয়ারিং ট্রি অ্যান্ড আদার স্টোরিজ'-এ আমাদের যে গল্প উপহার দিয়েছেন তা তাঁর শৈশবে শোনা — বাড়ির চাকরানি আর পাড়ার দরজি-ছুতোর আর নাপিতের মুখ থেকে। চন্দ্রকুমার দে মহয়ার গল্পটি শুনেছিলেন এক মুসলমান চামির মুখে, দক্ষিণাচরণ মালধামালার গল্পটি সংগ্রহ করেছিলেন এক বৌদ্ধ সন্ন্যাসিনীর কাছ থেকে আর লালবিহারী দে-কে যাঁরা গল্প শুনেছিলেন তাঁদের অনেকেই ছিলেন খ্রিস্টান।

একজন অতি বৃদ্ধ লোকের মৃত্যু হলে একটা যুগের সঙ্গে সঙ্গে লুপ্ত হয়ে যায় একটা গল্পের ভাণ্ডারও। কারণ আমরা লোককথা সংগ্রহ করে রাখি কিন্তু গল্পসল্পের যে গল্প তার দু' এক টুকরো খালি পাওয়া যায় স্মৃতিকথায়।

একথা বলা সম্ভবত ভুল হবে না যে, জীবনে সুস্থিতি থাকলেই গল্প জমে উঠতে পারে। যোগেশচন্দ্র তাঁর শৈশবে খুব বেশি গল্প শোনার সুযোগ পাননি কারণ দেশের তখন দারুণ দুর্দিন। সেটা উনিশ শতকের শেষ দিক। একদিকে ম্যালেরিয়া, অন্যদিকে জিনিসপত্রের মূল্য বৃদ্ধি — ছোটো চামি স্বভাবতই কটিকজির টানে গ্রাম ছেড়ে পাড়ি দিচ্ছে শহরে। গ্রাম জীবনের স্বাভাবিক ছন্দটাই নষ্ট হয়ে যাচ্ছে। দক্ষিণারঞ্জন হয়তো সেই কারণেই বিশ শতকের প্রথমেই লোককথাগুলি সংগ্রহ করে রাখার জন্য ব্যস্ত হয়ে পড়েছিলেন।

উদ্ধৃত গদ্যাংশ অনুসরণে প্রথম তালিকায় গল্প সংগ্রাহক এবং দ্বিতীয় তালিকার যাঁদের কাছ থেকে তাঁরা গল্প সংগ্রহ করেছিলেন তাঁদের উল্লেখ করা হল।

তালিকা 1	তালিকা 2
A. চন্দ্রকুমার দে	i. বাড়ির চাকরানি
B. রেভারেন্ড লালবিহারী দে	ii. মুসলমান চামি
C. দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদার	iii. বাড়ির ভৃত্য
D. এ. টি. রামানুজান	iv. বৌদ্ধ সন্ন্যাসিনী

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরের বিকল্পটি হল:

[Question ID = 195][Question Description = 195_19_Bengali_SEPT22_Q95]

1. A - ii , B - iii , C - iv , D - i

[Option ID = 777]

2. A - iii , B - ii , C - i , D - iv

[Option ID = 778]

3. A - i , B - iv , C - ii , D - iii

[Option ID = 779]

4. A - iv , B - i , C - iii , D - ii

[Option ID = 780]

Topic:- 019_SH1_SET1_PART_C

- 1) নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

বিদেশী ভাষা নূতন শিখিতে আরম্ভ করিয়া যখন সেই ভাষার সাহিত্য পুস্তক পড়িতে চেষ্টা করা যায়, তখন দুই কারণে সেই সাহিত্যের প্রকৃত রস গ্রহণ করা যায় না। ১ম — তখন আমরা পরপুরুষ বলিয়া ভাষার অন্তঃপুরের মধ্যে প্রবেশ করিতে পারি না। প্রত্যেক কথার অন্তর মহলে যে লাজুক ভাব-সকল বাস করে, যাহারা সেই কথার শ্রী, সৌন্দর্য, হৃদয়দেবতা তাহাদের সহিত সাক্ষাৎ হয় না, কেবল তাহার বহির্দেশবাসী অর্থটুকুমাত্র আফিসের সাজে দেখা দেয়। ২য় — প্রত্যেক কথাটাকে পৃথক পৃথক করিয়া বুঝিতে হয় — অনভিজ্ঞ আনাড়ির কাছে তাহারা সকলেই স্বতন্ত্র প্রধান হইয়া নিজমূর্তি ধারণ করে, তাহারা সকলেই বড়ো হইয়া সমগ্র পদটিকে (sentence-কে) আচ্ছন্ন করিয়া ফেলে। পুলিশের কনস্টেবল যেমন আইন-অনভিজ্ঞ পাড়াগেয়ের নিকট প্রবলপ্রতাপাশ্রিত, আইন বজায় রাখা যাহাদের কাজ সুযোগক্রমে তাহারা ই যেমন আইনের উপরে টেকা দিয়া দাঁড়ায় এও সেইরূপ। একটি কথার সহিত আর-একটি কথা যে একটি সুন্দর ঐক্যশৃঙ্খলার দ্বারা বদ্ধ হইয়া আত্মসংবরণ করিয়া রাখে সেই ঐক্যশৃঙ্খলার উপরে সাহিত্যের সৌন্দর্য ও প্রাণ নির্ভর করে। অপরিচিত অজ্ঞ ব্যক্তি সেই ঐক্যবন্ধন হইতে কথাগুলিকে বিচ্ছিন্ন করিয়া দেয়। ক্রমে ক্রমে অর্থ বোধ হয় কিন্তু সৌন্দর্যবোধ পলায়ন করে।

বিদেশী সংগীত সম্বন্ধে এ কথা আরও খাটে। অভ্যস্ত শ্রেণীর সংগীতে, সুরবিন্যাসের মধ্যে যে একটি ঐক্য আছে সেইটি সহজে ও শীঘ্র ধরিতে পারি। বিগত সুর স্মৃতিতে থাকে ও আগামী সুর পূর্ব হইতে কতকটা অনুমান করিয়া লইতে পারি — স্বতন্ত্র সুরগুলির অপেক্ষা তাহাদের ঐক্যমাপূর্বের প্রাধান্য অনুভব করিতে পারি, অর্থাৎ প্রকৃত সংগীতটুকু গুনিতে পাই। অনভ্যস্ত সংগীতে প্রত্যেক স্বতন্ত্র সুর উপদ্রব করিয়া মনকে তাড়াইয়া লইয়া যায়, কিছুর উপরে আশ্রয় লইতে দেয় না। সর্বদাই যেন শূন্যে শূন্যে বিরাজ করিতে হয়। তবু লিখিত ভাষার একটা সুবিধা আছে এই যে যখন ইচ্ছা বার বার ফিরিয়া আসা যায়, কিন্তু সুর উড়িয়া চলে, ধরা দেয় না। ভাষার অন্তর্গত প্রত্যেক কথার একটা অর্থ আছে, আমরা মনে মনে সেই অর্থ যোজনা করিয়া লইতে পারি। কিন্তু স্বতন্ত্র সুরের কোনো অর্থ নাই, তাহার সমস্ত অর্থ তাহার ঐক্যের মধ্যেই বিরাজ করে। এইজন্য বিদেশী সাহিত্য অপেক্ষা বিদেশী সংগীত হৃদয়ের মধ্যে প্রবেশ লাভ করিতে অধিক বাধা প্রাপ্ত হয়।

নীচে উপরের গদ্যাংশ থেকে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য এবং দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য : বিদেশী সাহিত্য অনুধাবন করা সংগীত অনুধাবন করার চেয়ে সহজতর।

যুক্তি: স্বতন্ত্র সুরের কোনো অর্থ নেই, তার সমস্ত অর্থ তার ঐক্যের মধ্যেই বিরাজ করে।

দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

[Question ID = 196][Question Description = 196_19_Bengali_SEPT22_Q96]

1. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ঠিক

[Option ID = 781]

2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটিই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়

[Option ID = 782]

3. মন্তব্য ঠিক, কিন্তু যুক্তি ভুল

[Option ID = 783]

4. মন্তব্য ভুল, কিন্তু যুক্তি ঠিক

[Option ID = 784]

2) নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

বিদেশী ভাষা নূতন শিখিতে আরম্ভ করিয়া যখন সেই ভাষার সাহিত্য পুস্তক পড়িতে চেষ্টা করা যায়, তখন দুই কারণে সেই সাহিত্যের প্রকৃত রস গ্রহণ করা যায় না। ১ম — তখন আমরা পরপুরুষ বলিয়া ভাষার অন্তঃপুরের মধ্যে প্রবেশ করিতে পারি না। প্রত্যেক কথার অন্তর মহলে যে লাজুক ভাব-সকল বাস করে, যাহারা সেই কথার শ্রী, সৌন্দর্য, হৃদয়দেবতা তাহাদের সহিত সাক্ষাৎ হয় না, কেবল তাহার বহির্দেশবাসী অর্থটুকুমাত্র আফিসের সাজে দেখা দেয়। ২য় — প্রত্যেক কথাটাকে পৃথক পৃথক করিয়া বুঝিতে হয় — অনভিজ্ঞ আনাড়ির কাছে তাহারা সকলেই স্বতন্ত্র প্রধান হইয়া নিজমূর্তি ধারণ করে, তাহারা সকলেই বড়ো হইয়া সমগ্র পদটিকে (sentence-কে) আচ্ছন্ন করিয়া ফেলে। পুলিশের কনস্টেবল যেমন আইন-অনভিজ্ঞ পাড়ারগেয়ের নিকট প্রবলপ্রতাপাশ্রিত, আইন বজায় রাখা যাহাদের কাজ সুযোগক্রমে তাহারাই যেমন আইনের উপরে টেকা দিয়া দাঁড়ায় এও সেইরূপ। একটি কথার সহিত আর-একটি কথা যে একটি সুন্দর ঐক্যশৃঙ্খলার দ্বারা বদ্ধ হইয়া আত্মসংবরণ করিয়া রাখে সেই ঐক্যশৃঙ্খলার উপরে সাহিত্যের সৌন্দর্য ও প্রাণ নির্ভর করে। অপরিচিত অজ্ঞ ব্যক্তি সেই ঐক্যবন্ধন হইতে কথাগুলিকে বিচ্ছিন্ন করিয়া দেয়। ক্রমে ক্রমে অর্থ বোধ হয় কিন্তু সৌন্দর্যবোধ পলায়ন করে।

বিদেশী সংগীত সম্বন্ধে এ কথা আরও খাটে। অভ্যস্ত শ্রেণীর সংগীতে, সুরবিন্যাসের মধ্যে যে একটি ঐক্য আছে সেইটি সহজে ও শীঘ্র ধরিতে পারি। বিগত সুর স্মৃতিতে থাকে ও আগামী সুর পূর্ব হইতে কতকটা অনুমান করিয়া লইতে পারি — স্বতন্ত্র সুরগুলির অপেক্ষা তাহাদের ঐক্যমাপূর্ব্বের প্রাধান্য অনুভব করিতে পারি, অর্থাৎ প্রকৃত সংগীতটুকু গুণিতে পাই। অনভ্যস্ত সংগীতে প্রত্যেক স্বতন্ত্র সুর উপদ্রব করিয়া মনকে তাড়াইয়া লইয়া যায়, কিছুর উপরে আশ্রয় লইতে দেয় না। সর্বদাই যেন শূন্যে শূন্যে বিরাজ করিতে হয়। তবু লিখিত ভাষার একটা সুবিধা আছে এই যে যখন ইচ্ছা বার বার ফিরিয়া আসা যায়, কিন্তু সুর উড়িয়া চলে, ধরা দেয় না। ভাষার অন্তর্গত প্রত্যেক কথার একটা অর্থ আছে, আমরা মনে মনে সেই অর্থ যোজনা করিয়া লইতে পারি। কিন্তু স্বতন্ত্র সুরের কোনো অর্থ নাই, তাহার সমস্ত অর্থ তাহার ঐক্যের মধ্যেই বিরাজ করে। এইজন্য বিদেশী সাহিত্য অপেক্ষা বিদেশী সংগীত হৃদয়ের মধ্যে প্রবেশ লাভ করিতে অধিক বাধা প্রাপ্ত হয়।

নীচে উদ্ধৃত গদ্যাংশ অবলম্বনে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- সদ্য শেখা ভাষায় সাহিত্য পাঠ করতে গেলে সেই সাহিত্য আটপৌরে চেহায়ায় ধরা দেয় না।
- সাহিত্যে প্রত্যেকটি শব্দ তার নিজস্ব স্বতন্ত্র অর্থকে প্রকাশ করে।
- অনভ্যস্ত সংগীতে প্রত্যেকটি সুরকে আলাদা করে চেনা যায় না।
- সাহিত্যে একই বস্তু বার বার পড়া গেলেও সংগীতে একই সুর যখন ইচ্ছে শোনা যায় না।
- সাহিত্যে প্রত্যেক শব্দের যে গুরুত্ব, সংগীতে প্রত্যেক সুরের সেই একই গুরুত্ব।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

[Question ID = 197][Question Description = 197_19_Bengali_SEPT22_Q97]

1. কেবল C, D এবং E

[Option ID = 785]

2. কেবল B, C এবং D

[Option ID = 786]

3. কেবল A, D এবং E

[Option ID = 787]

4. কেবল A, C এবং E

[Option ID = 788]

3) নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

বিদেশী ভাষা নূতন শিখিতে আরম্ভ করিয়া যখন সেই ভাষার সাহিত্য পুস্তক পড়িতে চেষ্টা করা যায়, তখন দুই কারণে সেই সাহিত্যের প্রকৃত রস গ্রহণ করা যায় না। ১ম — তখন আমরা পরপুরুষ বলিয়া ভাষার অন্তঃপুরের মধ্যে প্রবেশ করিতে পারি না। প্রত্যেক কথার অন্তর মহলে যে লাজুক ভাব-সকল বাস করে, যাহারা সেই কথার শ্রী, সৌন্দর্য, হৃদয়দেবতা তাহাদের সহিত সাক্ষাৎ হয় না, কেবল তাহার বহির্দেশবাসী অর্থটুকুমাত্র আফিসের সাজে দেখা দেয়। ২য় — প্রত্যেক কথাটাকে পৃথক পৃথক করিয়া বুঝিতে হয় — অনভিজ্ঞ আনাড়ির কাছে তাহারা সকলেই স্বতন্ত্র প্রধান হইয়া নিজমূর্তি ধারণ করে, তাহারা সকলেই বড়ো হইয়া সমগ্র পদটিকে (sentence-কে) আচ্ছন্ন করিয়া ফেলে। পুলিশের কনস্টেবল যেমন আইন-অনভিজ্ঞ পাড়াগেয়ের নিকট শ্রবণপ্রতাপায়িত, আইন বজায় রাখা যাহাদের কাজ সুযোগক্রমে তাহারা ই যেমন আইনের উপরে টেকা দিয়া দাঁড়ায় এও সেইরূপ। একটি কথার সহিত আর-একটি কথা যে একটি সুন্দর ঐক্যশৃঙ্খলার দ্বারা বদ্ধ হইয়া আত্মসংবরণ করিয়া রাখে সেই ঐক্যশৃঙ্খলার উপরে সাহিত্যের সৌন্দর্য ও প্রাণ নির্ভর করে। অপরিচিত অজ্ঞ ব্যক্তি সেই ঐক্যবন্ধন হইতে কথাগুলিকে বিচ্ছিন্ন করিয়া দেয়। ক্রমে ক্রমে অর্থ বোধ হয় কিন্তু সৌন্দর্যবোধ পলায়ন করে।

বিদেশী সংগীত সম্বন্ধে এ কথা আরও খাটে। অভ্যস্ত শ্রেণীর সংগীতে, সুরবিন্যাসের মধ্যে যে একটি ঐক্য আছে সেইটি সহজে ও শীঘ্র ধরিতে পারি। বিগত সুর স্মৃতিতে থাকে ও আগামী সুর পূর্ব হইতে কতকটা অনুমান করিয়া লইতে পারি — স্বতন্ত্র সুরগুলির অপেক্ষা তাহাদের ঐক্যমাধুর্যের প্রাধান্য অনুভব করিতে পারি, অর্থাৎ প্রকৃত সংগীতটুকু গুনিতে পাই। অনভ্যস্ত সংগীতে প্রত্যেক স্বতন্ত্র সুর উপদ্রব করিয়া মনকে তাড়াইয়া লইয়া যায়, কিছুর উপরে আশ্রয় লইতে দেয় না। সর্বদাই যেন শূন্যে শূন্যে বিরাজ করিতে হয়। তবু লিখিত ভাষার একটা সুবিধা আছে এই যে যখন ইচ্ছা বার বার ফিরিয়া আসা যায়, কিন্তু সুর উড়িয়া চলে, ধরা দেয় না। ভাষার অন্তর্গত প্রত্যেক কথার একটা অর্থ আছে, আমরা মনে মনে সেই অর্থ যোজনা করিয়া লইতে পারি। কিন্তু স্বতন্ত্র সুরের কোনো অর্থ নাই, তাহার সমস্ত অর্থ তাহার ঐক্যের মধ্যেই বিরাজ করে। এইজন্য বিদেশী সাহিত্য অপেক্ষা বিদেশী সংগীত হৃদয়ের মধ্যে প্রবেশ লাভ করিতে অধিক বাধা প্রাপ্ত হয়।

উদ্ধৃত গদ্যাংশে 'হৃদয়দেবতা' শব্দটি যে প্রসঙ্গে ব্যবহৃত হয়েছে, সেটি হল:

[Question ID = 198][Question Description = 198_19_Bengali_SEPT22_Q98]

1. লাজুক ভাব-সকল

[Option ID = 789]

2. কথার শ্রী

[Option ID = 790]

3. কথার সৌন্দর্য

[Option ID = 791]

4. কথার ঐক্যশৃঙ্খলা

[Option ID = 792]

4) নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

বিদেশী ভাষা নতুন শিখিতে আরম্ভ করিয়া যখন সেই ভাষার সাহিত্য পুস্তক পড়িতে চেষ্টা করা যায়, তখন দুই কারণে সেই সাহিত্যের প্রকৃত রস গ্রহণ করা যায় না। ১ম — তখন আমরা পরপুরুষ বলিয়া ভাষার অন্তঃপুরের মধ্যে প্রবেশ করিতে পারি না। প্রত্যেক কথার অন্দর মহলে যে লাজুক ভাব-সকল বাস করে, যাহারা সেই কথার শ্রী, সৌন্দর্য, হৃদয়দেবতা তাহাদের সহিত সাক্ষাৎ হয় না, কেবল তাহার বহির্দেশবাসী অর্থটুকুমাত্র আফিসের সাজে দেখা দেয়। ২য় — প্রত্যেক কথাটাকে পৃথক পৃথক করিয়া বুঝিতে হয় — অনভিজ্ঞ আনাড়ির কাছে তাহারা সকলেই স্বয়ংপ্রধান হইয়া নিজমূর্তি ধারণ করে, তাহারা সকলেই বড়ো হইয়া সমগ্র পদটিকে (sentence-কে) আচ্ছন্ন করিয়া ফেলে। পুলিশের কনস্টেবল যেমন আইন-অনভিজ্ঞ পাড়াগেয়ের নিকট শ্রবলপ্রতাপায়িত, আইন বজায় রাখা যাহাদের কাজ সুযোগক্রমে তাহারা এই আইনের উপরে টেকা দিয়া দাঁড়ায় এও সেইরূপ। একটি কথার সহিত আর-একটি কথা যে একটি সুন্দর ঐক্যশৃঙ্খলার দ্বারা বদ্ধ হইয়া আত্মসংবরণ করিয়া রাখে সেই ঐক্যশৃঙ্খলার উপরে সাহিত্যের সৌন্দর্য ও প্রাণ নির্ভর করে। অপরিচিত অজ্ঞ ব্যক্তি সেই ঐক্যবন্ধন হইতে কথাগুলিকে বিচ্ছিন্ন করিয়া দেয়। ক্রমে ক্রমে অর্থ বোধ হয় কিন্তু সৌন্দর্যবোধ পলায়ন করে।

বিদেশী সংগীত সম্বন্ধে এ কথা আরও খাটে। অভ্যস্ত শ্রেণীর সংগীতে, সুরবিন্যাসের মধ্যে যে একটি ঐক্য আছে সেইটি সহজে ও শীঘ্র ধরিতে পারি। বিগত সুর স্মৃতিতে থাকে ও আগামী সুর পূর্ব হইতে কতকটা অনুমান করিয়া লইতে পারি — স্বতন্ত্র সুরগুলির অপেক্ষা তাহাদের ঐক্যমাপ্যের প্রাধান্য অনুভব করিতে পারি, অর্থাৎ প্রকৃত সংগীতটুকু শুনিতে পাই। অনভ্যস্ত সংগীতে প্রত্যেক স্বতন্ত্র সুর উপদ্রব করিয়া মনকে তাড়াইয়া লইয়া যায়, কিছুর উপরে আশ্রয় লইতে দেয় না। সর্বদাই যেন শূন্যে শূন্যে বিরাজ করিতে হয়। তবু লিখিত ভাষার একটা সুবিধা আছে এই যে যখন ইচ্ছা বার বার ফিরিয়া আসা যায়, কিন্তু সুর উড়িয়া চলে, ধরা দেয় না। ভাষার অন্তর্গত প্রত্যেক কথার একটা অর্থ আছে, আমরা মনে মনে সেই অর্থ যোজনা করিয়া লইতে পারি। কিন্তু স্বতন্ত্র সুরের কোনো অর্থ নাই, তাহার সমস্ত অর্থ তাহার ঐক্যের মধ্যেই বিরাজ করে। এইজন্য বিদেশী সাহিত্য অপেক্ষা বিদেশী সংগীত হৃদয়ের মধ্যে প্রবেশ লাভ করিতে অধিক বাধা প্রাপ্ত হয়।

বিদেশী ভাষা নতুন শিখিতে আরম্ভ করলে সাহিত্যে প্রকৃত রস গ্রহণ করা যায় না যে কারণে, সেটি হল:

[Question ID = 199][Question Description = 199_19_Bengali_SEPT22_Q99]

1. নতুন ভাষাটা পরপুরুষের মতো

[Option ID = 793]

2. পাঠক আত্মসংবরণ করতে ব্যর্থ হয়

[Option ID = 794]

3. বিদেশী ভাষাটা শ্রবলপ্রতাপায়িত

[Option ID = 795]

4. কথার ঐক্যশৃঙ্খলা ক্ষুণ্ণ হয়

[Option ID = 796]

5) নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর করতে হবে।

বিদেশী ভাষা নূতন শিখিতে আরম্ভ করিয়া যখন সেই ভাষার সাহিত্য পুস্তক পড়িতে চেষ্টা করা যায়, তখন দুই কারণে সেই সাহিত্যের প্রকৃত রস গ্রহণ করা যায় না। ১ম — তখন আমরা পরপুরুষ বলিয়া ভাষার অন্তঃপুরের মধ্যে প্রবেশ করিতে পারি না। প্রত্যেক কথার অন্দর মহলে যে লাজুক ভাব-সকল বাস করে, যাহারা সেই কথার শ্রী, সৌন্দর্য, হৃদয়দেবতা তাহাদের সহিত সাক্ষাৎ হয় না, কেবল তাহার বহির্দেশবাসী অর্থটুকুমাত্র আফিসের সাজে দেখা দেয়। ২য় — প্রত্যেক কথাটাকে পৃথক পৃথক করিয়া বুঝিতে হয় — অনভিজ্ঞ আনাড়ির কাছে তাহারা সকলেই স্বয়ংপ্রধান হইয়া নিজমূর্তি ধারণ করে, তাহারা সকলেই বড়ো হইয়া সমগ্র পদটিকে (sentence-কে) আচ্ছন্ন করিয়া ফেলে। পুলিশের কন্সটেবল যেমন আইন-অনভিজ্ঞ পাড়াগেয়ের নিকট শ্রবলপ্রতাপায়িত, আইন বজায় রাখা যাহাদের কাজ সুযোগক্রমে তাহারা ই যেমন আইনের উপরে টেকা দিয়া দাঁড়ায় এও সেইরূপ। একটি কথার সহিত আর-একটি কথা যে একটি সুন্দর ঐক্যশৃঙ্খলার দ্বারা বদ্ধ হইয়া আত্মসংবরণ করিয়া রাখে সেই ঐক্যশৃঙ্খলার উপরে সাহিত্যের সৌন্দর্য ও প্রাণ নির্ভর করে। অপরিচিত অজ্ঞ ব্যক্তি সেই ঐক্যবন্ধন হইতে কথাগুলিকে বিচ্ছিন্ন করিয়া দেয়। ক্রমে ক্রমে অর্থ বোধ হয় কিন্তু সৌন্দর্যবোধ পলায়ন করে।

বিদেশী সংগীত সম্বন্ধে এ কথা আরও খাটে। অভ্যস্ত শ্রেণীর সংগীতে, সুরবিন্যাসের মধ্যে যে একটি ঐক্য আছে সেইটি সহজে ও শীঘ্র ধরিতে পারি। বিগত সুর স্মৃতিতে থাকে ও আগামী সুর পূর্ব হইতে কতকটা অনুমান করিয়া লইতে পারি — স্বতন্ত্র সুরগুলির অপেক্ষা তাহাদের ঐক্যমাধুর্যের প্রাধান্য অনুভব করিতে পারি, অর্থাৎ প্রকৃত সংগীতটুকু শুনিতে পাই। অনভ্যস্ত সংগীতে প্রত্যেক স্বতন্ত্র সুর উপদ্রব করিয়া মনকে তাড়াইয়া লইয়া যায়, কিছুই উপরে আশ্রয় লইতে দেয় না। সর্বদাই যেন শূন্যে শূন্যে বিরাজ করিতে হয়। তবু লিখিত ভাষার একটা সুবিধা আছে এই যে যখন ইচ্ছা বার বার ফিরিয়া আসা যায়, কিন্তু সুর উড়িয়া চলে, ধরা দেয় না। ভাষার অন্তর্গত প্রত্যেক কথার একটা অর্থ আছে, আমরা মনে মনে সেই অর্থ যোজনা করিয়া লইতে পারি। কিন্তু স্বতন্ত্র সুরের কোনো অর্থ নাই, তাহার সমস্ত অর্থ তাহার ঐক্যের মধ্যেই বিরাজ করে। এইজন্য বিদেশী সাহিত্য অপেক্ষা বিদেশী সংগীত হৃদয়ের মধ্যে প্রবেশ লাভ করিতে অধিক বাধা প্রাপ্ত হয়।

উদ্ধৃত গদ্যাংশ অবলম্বনে প্রকৃত সংগীত যেখানে শোনা যায়, তা হল:

[Question ID = 200][Question Description = 200_19_Bengali_SEPT22_Q100]

1. কথা ও সুরের সংগতি

[Option ID = 797]

2. সুরের সঙ্গে সুরের সংগতি

[Option ID = 798]

3. কথার সঙ্গে ভাবের সংগতি

[Option ID = 799]

4. ভাবের সঙ্গে সুরের সংগতি

[Option ID = 800]

Topic:- GP_SET1_SHIFT1_A

- 1) The following table shows the percentage (%) distribution of total population (male and female) of six towns A – F and percent (%) of females among them. Total population of Town F is 763000. Based on the data in the table, answer the questions 1-5:

Town-wise Distribution of Population

Town	% Distribution of Total Population	% Female
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

निम्नलिखित तालिका में A – F छह नगरों की कुल जनसंख्या (पुरुष और स्त्री) का प्रतिशत (%) वितरण और उनमें स्त्रियों का प्रतिशत (%) दर्शाया गया है। नगर F की कुल जनसंख्या 763000 है। तालिका में डाटा के आधार पर प्रश्न 1-5 के उत्तर दीजिए:

नगर वार जनसंख्या का वितरण

नगर	कुल जनसंख्या का % वितरण	% स्त्रियाँ
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

Number of males in Town A is

नगर A में पुरुषों की संख्या क्या है?

[Question ID = 211][Question Description = 101_00_General_17_SEPT22_Q01]

1. 359415

[Option ID = 841]

2. 391270

[Option ID = 842]

3. 364285

[Option ID = 843]

4. 389026

[Option ID = 844]

- 2) The following table shows the percentage (%) distribution of total population (male and female) of six towns A – F and percent (%) of females among them. Total population of Town F is 763000. Based on the data in the table, answer the questions 1-5:

Town-wise Distribution of Population

Town	% Distribution of Total Population	% Female
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

निम्नलिखित तालिका में A – F छह नगरों की कुल जनसंख्या (पुरुष और स्त्री) का प्रतिशत (%) वितरण और उनमें स्त्रियों का प्रतिशत (%) दर्शाया गया है। नगर F की कुल जनसंख्या 763000 है। तालिका में डाटा के आधार पर प्रश्न 1-5 के उत्तर दीजिए:

नगर वार जनसंख्या का वितरण

नगर	कुल जनसंख्या का % वितरण	% स्त्रियाँ
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

Difference between the male and female population of Town B is

नगर B में पुरुषों और स्त्रियों की जनसंख्या के बीच कितना अंतर है?

[Question ID = 212][Question Description = 102_00_General_17_SEPT22_Q02]

1. 23784

[Option ID = 845]

2. 23474

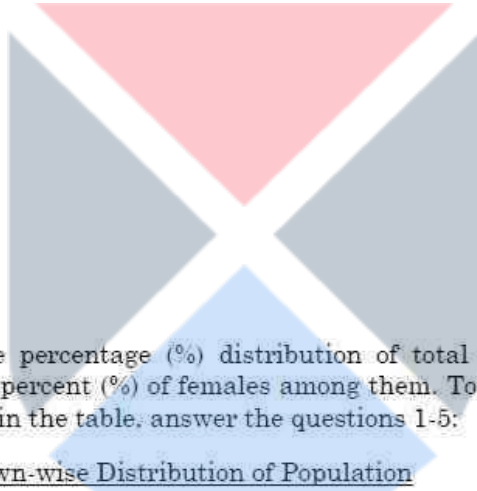
[Option ID = 846]

3. 23744

[Option ID = 847]

4. 23447

[Option ID = 848]



3) The following table shows the percentage (%) distribution of total population (male and female) of six towns A – F and percent (%) of females among them. Total population of Town F is 763000. Based on the data in the table, answer the questions 1-5:

Town-wise Distribution of Population

Town	% Distribution of Total Population	% Female
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

निम्नलिखित तालिका में A – F छह नगरों की कुल जनसंख्या (पुरुष और स्त्री) का प्रतिशत (%) वितरण और उनमें स्त्रियों का प्रतिशत (%) दर्शाया गया है। नगर F की कुल जनसंख्या 763000 है। तालिका में डाटा के आधार पर प्रश्न 1-5 के उत्तर दीजिए:

नगर वार जनसंख्या का वितरण

नगर	कुल जनसंख्या का % वितरण	% स्त्रियाँ
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

The male population of Town F as a percentage of the male population of Town E is approximately

नगर F की पुरुष जनसंख्या नगर E की पुरुष जनसंख्या का लगभग कितने प्रतिशत है?

[Question ID = 213][Question Description = 103_00_General_17_SEPT22_Q03]

1. 296%

[Option ID = 849]

2. 225%

[Option ID = 850]

3. 258%

[Option ID = 851]

4. 283%

[Option ID = 852]

- 4) The following table shows the percentage (%) distribution of total population (male and female) of six towns A – F and percent (%) of females among them. Total population of Town F is 763000. Based on the data in the table, answer the questions 1-5:

Town-wise Distribution of Population

Town	% Distribution of Total Population	% Female
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

निम्नलिखित तालिका में A – F छह नगरों की कुल जनसंख्या (पुरुष और स्त्री) का प्रतिशत (%) वितरण और उनमें स्त्रियों का प्रतिशत (%) दर्शाया गया है। नगर F की कुल जनसंख्या 763000 है। तालिका में डाटा के आधार पर प्रश्न 1-5 के उत्तर दीजिए:

नगर वार जनसंख्या का वितरण

नगर	कुल जनसंख्या का % वितरण	% स्त्रियाँ
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

Number of females in all the six towns together is

सभी छह नगरों में स्त्रियों की समग्र संख्या क्या है?

[Question ID = 214][Question Description = 104_00_General_17_SEPT22_Q04]

1. 1773240

[Option ID = 853]

2. 1801786

[Option ID = 854]

3. 1940282

[Option ID = 855]

4. 1821744

[Option ID = 856]

- 5) The following table shows the percentage (%) distribution of total population (male and female) of six towns A – F and percent (%) of females among them. Total population of Town F is 763000. Based on the data in the table, answer the questions 1-5:

Town-wise Distribution of Population

Town	% Distribution of Total Population	% Female
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

निम्नलिखित तालिका में A – F छह नगरों की कुल जनसंख्या (पुरुष और स्त्री) का प्रतिशत (%) वितरण और उनमें स्त्रियों का प्रतिशत (%) दर्शाया गया है। नगर F की कुल जनसंख्या 763000 है। तालिका में डेटा के आधार पर प्रश्न 1-5 के उत्तर दीजिए:

नगर वार जनसंख्या का वितरण

नगर	कुल जनसंख्या का % वितरण	% स्त्रियाँ
A	21.0%	51.10%
B	10.6%	53.20%
C	23.7%	52.80%
D	15.4%	53.80%
E	7.5%	47.80%
F	21.8%	49.20%

Number of males in Towns A-F as a percentage of the population of Towns A-F is approximately

A-F नगरों की जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में A-F नगरों में पुरुषों की संख्या लगभग कितनी है?

[Question ID = 215][Question Description = 105_00_General_17_SEPT22_Q05]

1. 43%

[Option ID = 857]

2. 45%

[Option ID = 858]

3. 49%

[Option ID = 859]

4. 51%

[Option ID = 860]

Topic:- GP_SET1_SHIFT1_B

- 1) "I never teach my pupils; I only attempt to provide the conditions in which they can learn" – Albert Einstein. The above quote can be best fitted for which of the following models of teaching-learning?

“मैं अपने शिष्यों को कभी सिखाता नहीं हूँ; मैं केवल उन्हें वे स्थितियाँ प्रदान करने का प्रयास करता हूँ जिनमें वे सीख सकें” – अल्बर्ट आइंस्टीन शिक्षण अधिगम के निम्नलिखित मॉडलों में से कौन सा मॉडल उपयुक्त उद्धरण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है?

[Question ID = 216][Question Description = 106_00_General_17_SEPT22_Q06]

1. **Learner Centered**

शिक्षार्थी केन्द्रित

[Option ID = 861]

2. **Teacher Centered**

शिक्षक केन्द्रित

[Option ID = 862]

3. **Parents Centered**

माता-पिता केन्द्रित

[Option ID = 863]

4. **Placement Centered**

स्थान केन्द्रित

[Option ID = 864]

2) **Which of the following is used in offline mode of teaching?**

निम्नलिखित में से किसका शिक्षण की ऑफलाइन प्रणाली में प्रयोग किया जाता है?

[Question ID = 217][Question Description = 107_00_General_17_SEPT22_Q07]

1. **Chalk and board**

चाक और बोर्ड

[Option ID = 865]

2. **Video conferencing tools**

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण

[Option ID = 866]

3. **LMS**

एल एम एस

[Option ID = 867]

4. **Digital resources**

डिजिटल संसाधन

[Option ID = 868]

3) **Which of the following type of courses have been emphasized to be introduced as per NEP-2020?**

एन ई पी - 2020 के अनुसार निम्नलिखित में से कौन से प्रकार के पाठ्यक्रम प्रारंभ करने पर जोर दिया गया है?

[Question ID = 218][Question Description = 108_00_General_17_SEPT22_Q08]

1. **MOOCs**

एम ओ ओ सी एस (MOOCs)

[Option ID = 869]

2. **Value-based courses**

मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

[Option ID = 870]

3. **Current-affairs courses**

सामयिक विषय संबंधी पाठ्यक्रम

[Option ID = 871]

4. **Ability enhancement courses**

योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम

[Option ID = 872]

4) **Dyslexia is associated with**

डिसलेक्सिया निम्न में से किससे संबंधित है?

[Question ID = 219][Question Description = 109_00_General_17_SEPT22_Q09]

1. **Writing disorder**

लेखन विकार

[Option ID = 873]

2. **Reading text disorder**

पठन विकार

[Option ID = 874]

3. **Interpreting graphics disorder**

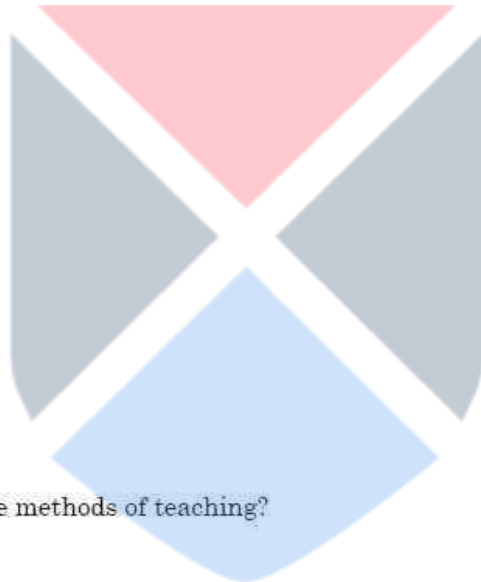
ग्राफिक व्याख्या संबंधी विकार

[Option ID = 875]

4. **Mental disorder**

मानसिक विकार

[Option ID = 876]



5) **Which of the following are online methods of teaching?**

- (A) Using LMS
- (B) Using video conferencing tools
- (C) Chalk and Talk
- (D) SWAYAM & Swayam Prabha
- (E) Field based activity

Choose the *correct answer* from the options given below :

निम्नलिखित में से कौन सी विधियाँ ऑनलाइन शिक्षण की विधियाँ हैं?

- (A) एल एम एस का प्रयोग करना
- (B) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का प्रयोग करना
- (C) चाक और व्याख्यान
- (D) स्वयं और स्वयंप्रभा (एस डब्ल्यू ए वाई ए एम और एस डब्ल्यू ए वाई ए एम पी आर ए बी एच ए)
- (E) क्षेत्र आधारित क्रियाकलाप

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 220][Question Description = 110_00_General_17_SEPT22_Q10]

1. **A, B and C Only**

केवल A, B और C

[Option ID = 877]

2. **A, B and D Only**

केवल A, B और D

[Option ID = 878]

3. **B and D Only**

केवल B और D

[Option ID = 879]

4. **B, D and E Only**

केवल B, D और E

[Option ID = 880]

6) **When we separate social phenomena from social actors, it is known as**

जब हम सामाजिक परिघटना को सामाजिक कर्ताओं से पृथक करते हैं तो इसको किस रूप में जाना जाता है ?

[Question ID = 221][Question Description = 111_00_General_17_SEPT22_Q11]

1. **Positivism**

प्रत्यक्षवाद

[Option ID = 881]

2. **Relativism**

सापेक्षवाद

[Option ID = 882]

3. **Subjectivism**

विषयनिष्ठवाद

[Option ID = 883]

4. **Objectivism**

वस्तुनिष्ठवाद

[Option ID = 884]

7) **A trend study is usually**

प्रवृत्ति-अध्ययन सामान्य रूप से है -

[Question ID = 222][Question Description = 112_00_General_17_SEPT22_Q12]

1. **Action - oriented**

कार्योन्मुखी

[Option ID = 885]

2. **Impression - oriented**

प्रभावोन्मुखी

[Option ID = 886]

3. **Description - oriented**

विवरण-उन्मुखी

[Option ID = 887]

4. Experiment - oriented

प्रयोगोन्मुखी

[Option ID = 888]

8) Which of the following are the criteria to assess the quality of qualitative research?

- (A) Context sensitivity
- (B) Rigour of analysis
- (C) Transparency and coherence
- (D) Lengthy description
- (E) Liberal use of hypotheses.

Choose the *correct answer* from the options given below :

गुणवत्तापरक शोध की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में से कौन से मापदंड हैं?

- (A) संदर्भ-संवेदनशीलता
- (B) विश्लेषण की परिशुद्धता
- (C) पारदर्शिता और सुसंगतता
- (D) लंबा विवरण
- (E) प्राकल्पना का उदारतापूर्ण उपयोग

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 223][Question Description = 113_00_General_17_SEPT22_Q13]

1. A, B, C Only

केवल A, B, C

[Option ID = 889]

2. B, C, D Only

केवल B, C, D

[Option ID = 890]

3. C, D, E Only

केवल C, D, E

[Option ID = 891]

4. A, D, E Only

केवल A, D, E

[Option ID = 892]

9) Given below are two statements :

Statement I : In historical research, external criticism is necessary to establish the authenticity of data.

Statement II : Various tests of authenticity are there in historical research but there is no need to use them.

In the light of the above statements, choose the *correct answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : ऐतिहासिक शोध में डेटा की प्रामाणिकता स्थापित करने के लिए बाह्य आलोचना आवश्यक है।

कथन II : ऐतिहासिक शोध में प्रामाणिकता के विभिन्न परीक्षण विद्यमान हैं, लेकिन उनके उपयोग की कोई आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 224][Question Description = 114_00_General_17_SEPT22_Q14]

1. Both Statement I and Statement II are true

कथन I और II दोनों सत्य हैं।

[Option ID = 893]

2. Both Statement I and Statement II are false

कथन I और II दोनों असत्य हैं।

[Option ID = 894]

3. Statement I is true but Statement II is false

कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

[Option ID = 895]

4. Statement I is false but Statement II is true

कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

[Option ID = 896]

10) Match List I with List II :

List I Research concept	List II Discription
(A) Hybridisation	(I) Shifting from text to images as empirical material
(B) Epistemology	(II) Used in Chi-Square test
(C) Iconic turn	(III) Moving away from a specific methodological affiliation.
(D) Yate's correction	(IV) Theory of knowledge

Choose the correct answer from the options given below :

सूची-I के साथ का सूची-II मिलान कीजिए :

सूची-I (शोध अवधारणा)	सूची-II (विवरण)
(A) संकरण	(I) आनुभाविक सामग्री के रूप में पाठ से छवियों की ओर स्थानांतरण
(B) ज्ञान मीमांसा	(II) कार्ड-स्केयर परीक्षण में प्रयुक्त किया जाता है।
(C) बहुविध्यात मोड़ (आइकोनिक टर्न)	(III) एक विशिष्ट विधि-तंत्रीय संबद्धता से हटना
(D) याते का सुधार	(IV) ज्ञान-सिद्धांत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 225][Question Description = 115_00_General_17_SEPT22_Q15]

1. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

[Option ID = 897]

2. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

[Option ID = 898]

3. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

[Option ID = 899]

4. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(II)

[Option ID = 900]

11) Agenda-setting is a function of

कार्यसूची-निर्धारण (एजेंडा सेटिंग) निम्नलिखित का प्रकार्य है:

[Question ID = 226][Question Description = 116_00_General_17_SEPT22_Q16]

1. Legal communication

विधिक संप्रेषण

[Option ID = 901]

2. Corporate communication

कार्पोरेट संप्रेषण

[Option ID = 902]

3. Political communication

राजनैतिक संप्रेषण

[Option ID = 903]

4. Grapevine communication

जन-प्रवाद संप्रेषण

[Option ID = 904]

12) A teacher, after communicating with students, should always check for

एक शिक्षक को विद्यार्थियों के साथ संवाद के पश्चात हमेशा निम्नलिखित की जाँच करनी चाहिए:

[Question ID = 227][Question Description = 117_00_General_17_SEPT22_Q17]

1. Non-reflective student behaviour

गेर-विमर्शी विद्यार्थी का व्यवहार

[Option ID = 905]

2. Fractured feedback

खंडित (फ्रैक्चर्ड) प्रतिपुष्टि

[Option ID = 906]

3. Acculturation

पर-संस्कृतिकरण

[Option ID = 907]

4. Grasp of communicated contents

संप्रेषित विषय वस्तु की समझ

[Option ID = 908]

13) Which of the following are parts of body language for effective communication in the classroom?

- (A) Eye contact with students
- (B) Reduced spatial distance
- (C) Reduction in personal space of students
- (D) Keeping the arms folded
- (E) Non-confrontational gestures

Choose the *correct answer* from the options given below :

कक्षा में प्रभावी संप्रेषण के लिए शारीरिक भाषा के अंग निम्नलिखित में से कौन से हैं?

- (A) विद्यार्थियों के साथ चाक्षुष संपर्क
- (B) न्यूनीकृत स्थानिक दूरी
- (C) विद्यार्थियों के वैयक्तिक स्थानों का न्यूनीकरण
- (D) भुजाएँ मुड़ी हुई रखना
- (E) गैर-प्रतिरोधी भाव-भंगिमाएँ

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 228][Question Description = 118_00_General_17_SEPT22_Q18]

1. A, B, C Only

केवल A, B, C

[Option ID = 909]

2. A, B, E Only

केवल A, B, E

[Option ID = 910]

3. A, B, D Only

केवल A, B, D

[Option ID = 911]

4. B, C, D Only

केवल B, C, D

[Option ID = 912]

14) Given below are two statements :

Statement I : In terms of communication, the mass media are the most powerful influencers in any developing country.

Statement II : Inter-personal communication is more powerful than mass media in any developing society.

In the light of the above statements, choose the *correct answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : संप्रेषण के पदों में, जन संचार माध्यम किसी विकासशील देश में सर्वाधिक शक्तिशाली प्रभाव डालने वाले होते हैं।

कथन II : किसी भी विकासशील समाज में अन्तर वैयक्तिक संप्रेषण जन संचार माध्यम की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली होता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 229][Question Description = 119_00_General_17_SEPT22_Q19]

1. Both Statement I and Statement II are true

कथन I और II दोनों सत्य हैं

[Option ID = 913]

2. Both Statement I and Statement II are false

कथन I और II दोनों असत्य हैं

[Option ID = 914]

3. Statement I is true but Statement II is false

कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

[Option ID = 915]

4. Statement I is false but Statement II is true

कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

[Option ID = 916]

15) Identify the chronological order of effects of newspaper reading on different groups of people.

(A) The instrumental effect

(B) The reinforcement effect

(C) The prestige effect

(D) The respite effect

(E) The aesthetic effect

Choose the *correct answer* from the options given below :

लोगों के भिन्न समूहों पर समाचार-पत्र पढ़ने के प्रभाव के कालानुक्रम को चिह्नित कीजिए:

- (A) नैमित्तिक प्रभाव
- (B) संबलन प्रभाव
- (C) प्रतिष्ठा प्रभाव
- (D) प्रविलंबन प्रभाव
- (E) सौंदर्यशास्त्रीय प्रभाव

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 230][Question Description = 120_00_General_17_SEPT22_Q20]

1. A, C, B, E, D

[Option ID = 917]

2. B, C, D, E, A

[Option ID = 918]

3. C, E, A, D, B

[Option ID = 919]

4. E, A, C, B, D

[Option ID = 920]

- 16) Find the missing number in the series given as: 4, 7, 11, 19, 32, 54, ?, 149, 245

निम्नलिखित श्रृंखला में लुप्त संख्या का पता लगाइये। 4, 7, 11, 19, 32, 54, ?, 149, 245

[Question ID = 231][Question Description = 121_00_General_17_SEPT22_Q21]

1. 86

[Option ID = 921]

2. 90

[Option ID = 922]

3. 105

[Option ID = 923]

4. 88

[Option ID = 924]

- 17) A sum of Rs.1550 is lent out into two parts, one at 8% and the other at 6%. If the total annual income is Rs.106, then find the money lent out at each rate i.e., 8% and 6%, respectively.

₹. 1550 की राशि दो भागों में ऋण पर दी जाती है, एक भाग 8% की दर पर और दूसरा 6% पर। यदि कुल वार्षिक आय ₹. 106 है तो प्रत्येक दर, अर्थात् क्रमशः 8% और 6% की दर पर दी गई राशियों का पता लगाएँ।

[Question ID = 232][Question Description = 122_00_General_17_SEPT22_Q22]

1. Rs. 650, Rs. 900

₹. 650, ₹. 900

[Option ID = 925]

2. Rs. 700, Rs. 850

₹. 700, ₹.850

[Option ID = 926]

3. Rs. 900, Rs. 650

₹. 900, ₹. 650

[Option ID = 927]

4. Rs. 800, Rs. 750

₹. 800, ₹. 750

[Option ID = 928]

18) Find a single discount equivalent to a series of discounts 10%, 20% and 30%

श्रेणीक्रम में 10%, 20% और 30% बड़ों के समतुल्य एकल बड़ा ज्ञात कीजिये।

[Question ID = 233][Question Description = 123_00_General_17_SEPT22_Q23]

1. 50.2%

[Option ID = 929]

2. 50.4%

[Option ID = 930]

3. 49.6%

[Option ID = 931]

4. 51.0%

[Option ID = 932]

19) The ratio of the present ages of two persons A and B is 4:3. If 4 years ago, the ratio of their ages was 2:1, what is the present age of A and B (in years) respectively?

दो व्यक्तियों A और B की वर्तमान आयु का अनुपात 4:3 है। यदि 4 वर्ष पूर्व, उनकी आयु का अनुपात 2:1 था, तो A और B की वर्तमान आयु (वर्षों में) क्या है?

[Question ID = 234][Question Description = 124_00_General_17_SEPT22_Q24]

1. 8, 6

[Option ID = 933]

2. 9, 7

[Option ID = 934]

3. 12, 9

[Option ID = 935]

4. 9, 12

[Option ID = 936]

20) Find the average of squares of consecutive even numbers from 1 to 20?

1 से 20 तक की क्रमागत सम संख्याओं के वर्गों का औसत पता लगाइये।

[Question ID = 235][Question Description = 125_00_General_17_SEPT22_Q25]

1. 154

[Option ID = 937]

2. 151

[Option ID = 938]

3. 155

[Option ID = 939]

4. 153

[Option ID = 940]

21) Which of the following propositions is obverse and logically equivalent to the proposition 'No umpires are partisans'?

निम्नलिखित में से कौनसी प्रतिज्ञा अग्रलिखित प्रतिज्ञा की प्रतिवर्त है और तार्किक रूप से उसके समतुल्य है- 'कोई भी निर्णैता पक्षपाती नहीं है'?

[Question ID = 236][Question Description = 126_00_General_17_SEPT22_Q26]

1. No non-umpires are non-partisans.

कोई भी गैर-निर्णैता गैर-पक्षपाती नहीं होता है।

[Option ID = 941]

2. All non-partisans are umpires.

सभी गैर-पक्षपाती निर्णैता हैं।

[Option ID = 942]

3. Some umpires are non-partisans.

कुछ निर्णैता गैर-पक्षपाती हैं।

[Option ID = 943]

4. All umpires are non-partisans.

सभी निर्णैता गैर पक्षपाती हैं।

[Option ID = 944]

22) Given below are two statements :

Statement I : Conversion is an inference that proceeds by interchanging the subject and predicate terms of the proposition.

Statement II : All conversions are valid inferences

In the light of the above statements, choose the *correct answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : संपरिवर्तन एक अनुमान है, जो प्रतिज्ञा के विषय और विधेय के पदों को अंतर्बदल करते हुए अग्रसर होता है।

कथन II : सभी संपरिवर्तन वैध अनुमान होते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 237][Question Description = 127_00_General_17_SEPT22_Q27]

1. Both Statement I and Statement II are true

कथन I और II दोनों सत्य हैं

[Option ID = 945]

2. Both Statement I and Statement II are false

कथन I और II दोनों असत्य हैं

[Option ID = 946]

3. Statement I is true but Statement II is false

कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

[Option ID = 947]

4. Statement I is false but Statement II is true

कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

[Option ID = 948]

23) Which logical informal fallacy is committed in the following statement- "The Beatles were the best rock group of the 1960s since they sold more records than any other rock band".

निम्नलिखित कथन में कौनसा अनाकारिक तर्क-दोष किया गया है - "बीटल्स 1960 के दशक को सर्वोत्कृष्ट रॉक ग्रुप था क्योंकि उनके रिकॉर्ड्स किसी भी अन्य रॉक बैंड की तुलना में अधिक बिके थे।"

[Question ID = 238][Question Description = 128_00_General_17_SEPT22_Q28]

1. Appeal to Majority

बहुमत को आग्रह

[Option ID = 949]

2. Diversion

भटकाना

[Option ID = 950]

3. Begging the Question

आत्माश्रय

[Option ID = 951]

4. Equivocation

अनेकार्थक

[Option ID = 952]



24) Which of the following statements are true regarding logic?

(A) Aristotelian syllogism is deductive.

(B) Nyāya syllogism is deductive.

(C) Aristotelian syllogism is formal.

(D) Nyāya syllogism is formal.

(E) Nyāya syllogism is inductive.

Choose the *correct answer* from the options given below :

निम्नलिखित में से कौन से कथन तर्कशास्त्र के बारे में सही हैं?

- (A) अस्तु का न्याय-वाक्य निगमनात्मक है।
- (B) नैयायिकों का न्याय-वाक्य निगमनात्मक है।
- (C) अस्तु का न्याय वाक्य आकारिक है।
- (D) नैयायिकों का न्याय-वाक्य आकारिक है।
- (E) नैयायिकों का न्याय-वाक्य आगमनात्मक है।

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 239][Question Description = 129_00_General_17_SEPT22_Q29]

1. A, B, C, D Only

केवल A, B, C, D

[Option ID = 953]

2. A, B, C, D, E

A, B, C, D, E

[Option ID = 954]

3. A, C and E Only

केवल A, C और E

[Option ID = 955]

4. A, B, C and E Only

केवल A, B, C, और E

[Option ID = 956]

- 25) Which of the following is true regarding Upamāna as a means of knowledge according to Nyāya school?

- (A) It is knowledge derived from comparison.
- (B) It roughly corresponds to analogy.
- (C) It is defined as knowledge of the relation between a word and its denotation.
- (D) It is a kind of anumāna (inference).

Choose the *correct answer* from the options given below :

न्याय मत के अनुसार निम्नलिखित में से कौन से कथन ज्ञान के एक साधन के रूप में उपमान के बारे में सही हैं?

- (A) यह तुलना से प्राप्त किया गया ज्ञान है।
- (B) यह मोटे तौर पर साम्यानुमान से मेल खाता है।
- (C) इसे शब्द और उसके अभिधेयार्थ (डिनोटेशन) के बीच संबंध के ज्ञान के रूप में परिभाषित किया गया है।
- (D) यह एक प्रकार का अनुमान है।

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 240][Question Description = 130_00_General_17_SEPT22_Q30]

1. A, B, C and D

A, B, C और D

[Option ID = 957]

2. A and B Only

केवल A और B

[Option ID = 958]

3. A, B and C Only

केवल A, B और C

[Option ID = 959]

4. A, B and D Only

केवल A, B और D

[Option ID = 960]

26) What is e-Taal?

ई-ताल क्या है ?

[Question ID = 241][Question Description = 131_00_General_17_SEPT22_Q31]

1. A Web portal for dissemination of bank transaction statistics of Panchayat level e-Governance projects.

पंचायत स्तर की ई-शासन परियोजनाओं के बैंक संव्यवहार संबंधी सांख्यिकी के प्रसार हेतु वेब पोर्टल

[Option ID = 961]

2. A mobile app for dissemination of information on fund allocation for National and state level e-Governance projects.

राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय ई-शासन परियोजनाओं हेतु निधि आवंटन संबंधी सूचना के प्रसार हेतु मोबाईल एप

[Option ID = 962]

3. A Web portal for dissemination of e-Transaction statistics of National and State level e-Governance Projects.

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय ई-शासन परियोजनाओं की ई-संव्यवहार सांख्यिकी के प्रसार हेतु वेब पोर्टल

[Option ID = 963]

4. A web-based Software for composing a music.

संगीत रचना हेतु वेब आधारित सॉफ्टवेयर

[Option ID = 964]

27) Which of the following statements are correct regarding Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC) of India?

(A) The setting up of C-DAC was to build Supercomputers in context of denial of import of Supercomputers by USA.

(B) C-DAC started building Indian Language Computing Solutions with setting up of GIST group (Graphics and Intelligence based Script Technology)

(C) This Centre was started in the year 1995

Choose the *correct answer* from the options given below :

भारत के उन्नत कंप्यूटिंग विकास केन्द्र (सी-डेक) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

- (A) सी-डेक की स्थापना संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा सुपर कंप्यूटर्स के आयात से इंकार करने के संदर्भ में सुपरकंप्यूटर्स का निर्माण करने के लिए की गई थी।
- (B) सी-डेक ने जी आई एस टी (ग्राफीय और बुद्धि आधारित लिपि प्रौद्योगिकी) समूह का गठन कर भारतीय भाषा परिकलन समाधान बनाना आरंभ किया।
- (C) इस केन्द्र को वर्ष 1995 में आरंभ किया गया था।

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

[Question ID = 242][Question Description = 132_00_General_17_SEPT22_Q32]

1. A and B Only

केवल A और B

[Option ID = 965]

2. B and C Only

केवल B और C

[Option ID = 966]

3. A and C Only

केवल A और C

[Option ID = 967]

4. A, B and C

A, B और C

[Option ID = 968]

- 28) Which of the following is a way to quickly access a favourite website by saving it in your browser?

निम्नलिखित में से वह कौन सा तरीका है, जिसे अपने ब्राउज़र में सुरक्षित कर अपनी मनपसंद वेबसाइट तक शीघ्रता से पहुँच सकते हैं?

[Question ID = 243][Question Description = 133_00_General_17_SEPT22_Q33]

1. Cookie

कुकी

[Option ID = 969]

2. Bookmark

पुस्तक चिन्ह (बुक मार्क)

[Option ID = 970]

3. Blog

ब्लग

[Option ID = 971]

4. Wiki

विकी

[Option ID = 972]

- 29) Which of the following can be considered as illegal or unethical in the context of information technology?
- (A) A hospital reveals clinical history of a patient without the consent of a patient.
 - (B) A student using proprietary software without having license.
 - (C) A person stealing another person's credit card number.
 - (D) A college using Linux operating system (being an open-source software) on all its 200 computers on the campus.

Choose the *correct answer* from the options given below :

सूचना प्रौद्योगिकी के संदर्भ में निम्नलिखित में से किन्हीं अवैध अथवा अनैतिक माना जा सकता है?

- (A) कोई अस्पताल रोगी की सहमति के बिना उसका क्लिनिकीय इतिहास प्रकट कर देता है।
- (B) कोई विद्यार्थी बिना लाइसेंस लिए स्वामित्व अधिकार वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग करता है।
- (C) कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड का नंबर चुरा ले।
- (D) कोई महाविद्यालय परिसर में सभी 200 कंप्यूटरों पर लाइनक्स प्रचालन प्रणाली (एक मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर) का प्रयोग करता है।

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 244][Question Description = 134_00_General_17_SEPT22_Q34]

1. A and B Only
केवल A और B
[Option ID = 973]
2. B and C Only
केवल B और C
[Option ID = 974]
3. A, B and C Only
केवल A, B और C
[Option ID = 975]
4. C and D Only
केवल C और D
[Option ID = 976]

30) Given below are two statements :

- Statement I : A block-chain is a growing list of records, called blocks, which are linked using Cryptography.
- Statement II : Block-chains which are readable by the public are widely used by crypto currencies.

In the light of the above statements, choose the *correct answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : ब्लॉकचेन अभिलेखों जिन्हें ब्लॉक कहा जाता है, की एक वर्धनशील सूची है। इन ब्लॉकों को क्रिप्टोग्राफी द्वारा जोड़ा जाता है।

कथन II : सार्वजनिक रूप से पठनीय ब्लॉक चेन का क्रिप्टो मुद्राओं द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 245][Question Description = 135_00_General_17_SEPT22_Q35]

1. Both Statement I and Statement II are true

कथन I और II दोनों सत्य हैं

[Option ID = 977]

2. Both Statement I and Statement II are false

कथन I और II दोनों असत्य हैं

[Option ID = 978]

3. Statement I is true but Statement II is false

कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

[Option ID = 979]

4. Statement I is false but Statement II is true

कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

[Option ID = 980]

31) Which one of the following isotopes of Uranium is used as fissile material in nuclear thermal power plants?

निम्नलिखित में से किस आइसोटोप (समस्थानिक) का विखंडनीय द्रव्य के रूप में नाभिकीय ताप बिजली संयंत्र में उपयोग किया जाता है?

[Question ID = 246][Question Description = 136_00_General_17_SEPT22_Q36]

1. U_{234}

[Option ID = 981]

2. U_{235}

[Option ID = 982]

3. U_{238}

[Option ID = 983]

4. U_{239}

[Option ID = 984]

32) Which one among the following rotors is mostly used in wind turbines for electricity generation?

विद्युत उत्पादन के लिए पवन टरबाइन में निम्नलिखित में से किस रोटर का अधिकांशतः उपयोग किया जाता है?

[Question ID = 247][Question Description = 137_00_General_17_SEPT22_Q37]

1. Multiblade rotor

मल्टीब्लेड रोटर

[Option ID = 985]

2. Propeller rotor

प्रोपेलर रोटर

[Option ID = 986]

3. Savonious rotor

सैवोनियस रोटर

[Option ID = 987]

4. Darrieus rotor

डैरियस रोटर

[Option ID = 988]

33) What is the correct chronological order of the following from older to newer?

- (A) Paris agreement
- (B) Convention on biodiversity
- (C) Kyoto Protocol
- (D) Montreal Protocol
- (E) Stockholm Conference

Choose the *correct answer* from the options given below :

निम्नलिखित का पुराने से नए तक का सही कालक्रम क्या है?

- (A) पेरिस समझौता
- (B) जैव-विविधता पर अभिसमय
- (C) क्योटो प्रोटोकॉल
- (D) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
- (E) स्टॉकहोम सम्मेलन

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

[Question ID = 248][Question Description = 138_00_General_17_SEPT22_Q38]

1. B, D, C, E, A

[Option ID = 989]

2. B, C, D, E, A

[Option ID = 990]

3. E, D, C, B, A

[Option ID = 991]

4. E, D, B, C, A

[Option ID = 992]

34) Given below are two statements :

Statement I : Total absence of fluoride in drinking water causes dental caries.

Statement II : With presence of fluoride in drinking water, all the dental problems can be avoided.

In the light of the above statements, choose the *most appropriate answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : पेयजल में फ्लोराइड की पूर्ण अनुपस्थिति के कारण दंत-गुहिकाएं होती हैं।

कथन II : पेयजल में फ्लोराइड की उपस्थिति से सभी दंत-समस्याओं से बचा जा सकता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 249][Question Description = 139_00_General_17_SEPT22_Q39]

1. Both Statement I and Statement II are correct

कथन I और II दोनों सही हैं

[Option ID = 993]

2. Both Statement I and Statement II are incorrect

कथन I और II दोनों गलत हैं

[Option ID = 994]

3. Statement I is correct but Statement II is incorrect

कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है

[Option ID = 995]

4. Statement I is incorrect but Statement II is correct

कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

[Option ID = 996]

35) According to Indian National Ambient Air Quality standards an Air Quality Index (AQI) value of 200 indicates the quality of air as

भारतीय राष्ट्रीय पर्यावरणी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुसार एक वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए.क्यू.आई.) का 200 का मान किस रूप में वायु की गुणवत्ता इंगित करता है?

[Question ID = 250][Question Description = 140_00_General_17_SEPT22_Q40]

1. Very poor

बहुत खराब

[Option ID = 997]

2. Moderate

मध्यम (मोडरेट)

[Option ID = 998]

3. Poor

खराब

[Option ID = 999]

4. Satisfactory

संतोषप्रद

[Option ID = 1000]

36) Delhi University, Delhi was established in the year:

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की स्थापना किस वर्ष हुई थी?

[Question ID = 251][Question Description = 141_00_General_17_SEPT22_Q41]

1. 1916

[Option ID = 1001]

2. 1922

[Option ID = 1002]

3. 1947

[Option ID = 1003]

4. 1954

[Option ID = 1004]

37) Who was the chairperson of the committee appointed in 1963 by the National Council for women education to look into the causes for the lack of public support for girl's education and to enlist public support?

निम्नलिखित में से राष्ट्रीय महिला शिक्षा परिषद द्वारा 1963 में नियुक्ति की गई उस समिति का अध्वक्ष कौन था/थी, जिसे लड़कियों की शिक्षा के लिए सार्वजनिक समर्थन की कमी के कारणों की जांच-पड़ताल करने और सार्वजनिक समर्थन प्राप्त करने के लिए कहा गया था?

[Question ID = 252][Question Description = 142_00_General_17_SEPT22_Q42]

1. Hansa Mehta

हंसा मेहता

[Option ID = 1005]

2. Durgabai Deshmukh

दुर्गाबाई देशमुख

[Option ID = 1006]

3. Margaret Cousins

मार्ग्रेट कजिन्स

[Option ID = 1007]

4. Bhaktavatsalam

भक्तवत्सलम

[Option ID = 1008]



38) Given below are two statements :

Statement I : As a result of the recommendation of the 'Woods despatch' modern University education in India began in 1857. When the universities of Calcutta, Bombay and Madras were founded by the British.

Statement II : The Banaras Hindua University, Varanasi was established in the year 1927.

In the light of the above statements, choose the *most appropriate answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : 'वुड्स डिस्पैच' की अनुशंसाओं के परिणाम स्वरूप 1857 में भारत में आधुनिक विश्वविद्यालय शिक्षा प्रारम्भ हुई जब अंग्रेजों ने कलकत्ता, बम्बे और मद्रास विश्वविद्यालयों की स्थापना की।

कथन II : बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1927 में हुई।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 253][Question Description = 143_00_General_17_SEPT22_Q43]

1. Both Statement I and Statement II are correct

कथन I और II दोनों सही हैं

[Option ID = 1009]

2. Both Statement I and Statement II are incorrect

कथन I और II दोनों गलत हैं

[Option ID = 1010]

3. Statement I is correct but Statement II is incorrect

कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है

[Option ID = 1011]

4. Statement I is incorrect but Statement II is correct

कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

[Option ID = 1012]

39) Match List I with List II :

List I (Commissions)	List II (Chairperson)
(A) University Education Commission 1948	(I) Dr Sam Pitroda
(B) Secondary Education commission 1952	(II) Dr. Sarvepalli Radhakrishnan
(C) Education Commission 1964	(III) Dr. D.S. Kothari
(D) National Knowledge Commission 2005	(IV) Dr. Lakshmanaswami Mudaliar

Choose the correct answer from the options given below :

सूची-I के साथ सूची-II मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, 1948	(I) डा. सैम पित्रोदा
(B) माध्यमिक शिक्षा आयोग, 1952	(II) डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(C) शिक्षा आयोग, 1964	(III) डा. डी.एस. कोठारी
(D) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, 2005	(IV) डा. लक्ष्मणस्वामी मुदलियार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 254][Question Description = 144_00_General_17_SEPT22_Q44]

1. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

[Option ID = 1013]

2. (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

[Option ID = 1014]

3. (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

[Option ID = 1015]

4. (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

[Option ID = 1016]

40) Given below are two statements :

Statement I : 'Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission of Teachers and Teaching' aims at promoting socially relevant research in Science.

Statement II : 'Scheme for Promotion of Academic and Research Collaboration' aims at teacher training and faculty development.

In the light of the above statements, choose the *correct answer* from the options given below :

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : 'शिक्षकों और शिक्षण के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन' का उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में सामाजिक रूप से उपयुक्त अनुसन्धान को प्रेरित करना है।

कथन II : अकादमिक और अनुसन्धान सहयोग प्रेरित करने की योजना "स्कीम फॉर प्रोमोशन ऑफ अकादमिक एन्ड रिसर्च कोलैबोरेशन" का लक्ष्य शिक्षक-प्रशिक्षण और शिक्षक-विकास है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

[Question ID = 255][Question Description = 145_00_General_17_SEPT22_Q45]

1. Both Statement I and Statement II are true

कथन I और II दोनों सत्य हैं

[Option ID = 1017]

2. Both Statement I and Statement II are false

कथन I और II दोनों असत्य हैं

[Option ID = 1018]

3. Statement I is true but Statement II is false

कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है

[Option ID = 1019]

4. Statement I is false but Statement II is true

कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

[Option ID = 1020]

Topic:- GP_SET1_SHIFT1_C

- 1) Read the passage and answer questions from 46 to 50

The Sapru Committee report was published in 1945. It was an Indian attempt to propose a constitutional scheme to accommodate different domestic political interests. It too made the case for universal suffrage. The Sapru committee claimed that even though political circumstances had changed, for example, the party structure had evolved, substantial changes in such matters could occur only after full responsible government had been introduced, it said. In keeping with this rationale, it reiterated the idea that the very exercise of franchise would provide the education necessary to enable a responsible politics. The support for universal franchise could also be seen in proclamations by major political actors. Nationalist leaders viewed restrictions on the franchise as colonial attempts to curb growing disaffection. Mohandas Gandhi, who returned from South Africa in 1915 and swiftly became the face of India's entire effort at emancipation, boldly declared in 1939 that he was unworried by illiteracy. He said he would plump for an unadulterated franchise for both men and women. The contribution of B.R. Ambedkar, who took up the cause of lower sections of the society during the anti-colonial struggle was significant in this regard. His focus on the issue of social divisions made him sensitive to restrictions on the right to vote. Qualifications based on education and property during colonial rule meant the defacto exclusion of lower sections of the society.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 46-50 के उत्तर दीजिए-

सप्रू समिति की रिपोर्ट 1945 में प्रकाशित हुई थी। यह विभिन्न घरेलू राजनीतिक हितों के समायोजन के लिए एक संवैधानिक योजना को प्रस्तावित करने का भारतीय प्रयास था। इसमें सार्वभौमिक मताधिकार के मामले का भी समर्थन किया गया। सप्रू समिति ने दावा किया कि यद्यपि राजनीतिक परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जैसे-दलीय संरचना का उद्विकास हुआ है, लेकिन ऐसे मामलों में भारी परिवर्तन पूर्ण उत्तरदायी सरकार आने के बाद ही हो सकते हैं। उसने इस तर्काधार पर वह विचार दोहराया कि मताधिकार का नितांत प्रयास शिक्षा प्रदान कर सकता है, जो एक उत्तरदायी राजनीति को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक है। प्रमुख राजनीतिक कर्ताओं की घोषणाओं में भी सार्वभौमिक मताधिकार के प्रति समर्थन देखा जा सकता था। राष्ट्रवादी नेताओं ने मताधिकार पर प्रतिबंधों को बढ़ते असंतोष पर नियंत्रण के औपनिवेशिक प्रयासों के रूप में माना। मोहनदास गाँधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और स्वाधीनता के बारे में भारत के संपूर्ण प्रयास का तेजी से चेहरा बन गए थे। उन्होंने 1939 में साहसिक ढंग से घोषणा की कि वह निरक्षरता को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए असली मताधिकार की सुस्पष्ट रूप से पैवी करेंगे। इस बारे में उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष के दौरान समाज के निम्न वर्गों के हितों की आवाज़ उठाने वाले बी. आर. अम्बेडकर का सार्थक योगदान था। सामाजिक विभाजनों के मुद्दे पर उनके फोकस ने उन्हें मत के अधिकार पर प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील बनाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान शिक्षा और सम्पत्ति पर आधारित अर्हताओं का अर्थ समाज के निम्न वर्गों का वास्तविक बहिष्करण था।

The Sapru Committee favoured universal suffrage to accommodate

सप्रू समिति ने किसको समायोजित करने के लिए सार्वभौमिक मताधिकार का समर्थन किया था?

[Question ID = 256][Question Description = 146_00_General_17_SEPT22_Q46]

1. Educated class

शिक्षित वर्ग

[Option ID = 1021]

2. Propertied class

संपत्ति-स्वामियों के वर्ग

[Option ID = 1022]

3. Evolution of political parties

राजनीतिक दलों के उद्विकास

[Option ID = 1023]

4. Various political interests

विभिन्न राजनीतिक हित

[Option ID = 1024]

2) Read the passage and answer questions from 46 to 50

The Sapru Committee report was published in 1945. It was an Indian attempt to propose a constitutional scheme to accommodate different domestic political interests. It too made the case for universal suffrage. The Sapru committee claimed that even though political circumstances had changed, for example, the party structure had evolved, substantial changes in such matters could occur only after full responsible government had been introduced, it said. In keeping with this rationale, it reiterated the idea that the very exercise of franchise would provide the education necessary to enable a responsible politics. The support for universal franchise could also be seen in proclamations by major political actors. Nationalist leaders viewed restrictions on the franchise as colonial attempts to curb growing disaffection. Mohandas Gandhi, who returned from South Africa in 1915 and swiftly became the face of India's entire effort at emancipation, boldly declared in 1939 that he was unworried by illiteracy. He said he would plump for an unadulterated franchise for both men and women. The contribution of B.R. Ambedkar, who took up the cause of lower sections of the society during the anti-colonial struggle was significant in this regard. His focus on the issue of social divisions made him sensitive to restrictions on the right to vote. Qualifications based on education and property during colonial rule meant the defacto exclusion of lower sections of the society.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 46-50 के उत्तर दीजिए-

सप्रू समिति की रिपोर्ट 1945 में प्रकाशित हुई थी। यह विभिन्न घरेलू राजनीतिक हितों के समायोजन के लिए एक संवैधानिक योजना को प्रस्तावित करने का भारतीय प्रयास था। इसमें सार्वभौमिक मताधिकार के मामले का भी समर्थन किया गया। सप्रू समिति ने दावा किया कि यद्यपि राजनीतिक परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जैसे-दलीय संरचना का उद्विकास हुआ है, लेकिन ऐसे मामलों में भारी परिवर्तन पूर्ण उत्तरदायी सरकार आने के बाद ही हो सकते हैं। उसने इस तर्काधार पर यह विचार दोहराया कि मताधिकार का नितांत प्रयास शिक्षा प्रदान कर सकता है, जो एक उत्तरदायी राजनीति को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक है। प्रमुख राजनीतिक कर्ताओं की घोषणाओं में भी सार्वभौमिक मताधिकार के प्रति समर्थन देखा जा सकता था। राष्ट्रवादी नेताओं ने मताधिकार पर प्रतिबंधों को बढ़ते असंतोष पर नियंत्रण के औपनिवेशिक प्रयासों के रूप में माना। मोहनदास गाँधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और स्वाधीनता के बारे में भारत के संपूर्ण प्रयास का तेजी से चेहरा बन गए थे। उन्होंने 1939 में साहसिक ढंग से घोषणा की कि वह निरक्षरता को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए असली मताधिकार की सुस्पष्ट रूप से पैरवी करेंगे। इस बारे में उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष के दौरान समाज के निम्न वर्गों के हितों की आवाज़ उठाने वाले बी. आर. अम्बेडकर का सार्थक योगदान था। सामाजिक विभाजनों के मुद्दे पर उनके फोकस ने उन्हें मत के अधिकार पर प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील बनाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान शिक्षा और सम्पत्ति पर आधारित अर्हताओं का अर्थ समाज के निम्न वर्गों का वास्तविक बहिष्करण था।

According to the Sapru Committee, universal franchise itself was education that would lead to

सप्रू समिति के अनुसार सार्वभौमिक मताधिकार अपने आपमें शिक्षा है, जिससे होगा:

[Question ID = 257][Question Description = 147_00_General_17_SEPT22_Q47]

1. Emergence of national leaders

राष्ट्रीय नेताओं का अभ्युदय

[Option ID = 1025]

2. Responsible politics

उत्तरदायी राजनीति

[Option ID = 1026]

3. Substantial political freedom

ठोस राजनीतिक स्वतंत्रता

[Option ID = 1027]

4. The rejection of colonial attempts.

औपनिवेशिक प्रयासों का अस्वीकरण

[Option ID = 1028]

3) Read the passage and answer questions from 46 to 50

The Sapru Committee report was published in 1945. It was an Indian attempt to propose a constitutional scheme to accommodate different domestic political interests. It too made the case for universal suffrage. The Sapru committee claimed that even though political circumstances had changed, for example, the party structure had evolved, substantial changes in such matters could occur only after full responsible government had been introduced, it said. In keeping with this rationale, it reiterated the idea that the very exercise of franchise would provide the education necessary to enable a responsible politics. The support for universal franchise could also be seen in proclamations by major political actors. Nationalist leaders viewed restrictions on the franchise as colonial attempts to curb growing disaffection. Mohandas Gandhi, who returned from South Africa in 1915 and swiftly became the face of India's entire effort at emancipation, boldly declared in 1939 that he was unworried by illiteracy. He said he would plump for an unadulterated franchise for both men and women. The contribution of B.R. Ambedkar, who took up the cause of lower sections of the society during the anti-colonial struggle was significant in this regard. His focus on the issue of social divisions made him sensitive to restrictions on the right to vote. Qualifications based on education and property during colonial rule meant the defacto exclusion of lower sections of the society.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 46-50 के उत्तर दीजिए-

सपू समिति की रिपोर्ट 1945 में प्रकाशित हुई थी। यह विभिन्न घरेलू राजनीतिक हितों के समायोजन के लिए एक संवैधानिक योजना को प्रस्तावित करने का भारतीय प्रयास था। इसमें सार्वभौमिक मताधिकार के मामले का भी समर्थन किया गया। सपू समिति ने दावा किया कि यद्यपि राजनीतिक परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जैसे-दलीय संरचना का उद्विकास हुआ है, लेकिन ऐसे मामलों में भारी परिवर्तन पूर्ण उत्तरदायी सरकार आने के बाद ही हो सकते हैं। उसने इस तर्काधार पर यह विचार दोहराया कि मताधिकार का नितांत प्रयास शिक्षा प्रदान कर सकता है, जो एक उत्तरदायी राजनीति को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक है। प्रमुख राजनीतिक कर्ताओं की घोषणाओं में भी सार्वभौमिक मताधिकार के प्रति समर्थन देखा जा सकता था। राष्ट्रवादी नेताओं ने मताधिकार पर प्रतिबंधों को बढ़ते असंतोष पर नियंत्रण के औपनिवेशिक प्रयासों के रूप में माना। मोहनदास गाँधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और स्वाधीनता के बारे में भारत के संपूर्ण प्रयास का तेजी से चेहरा बन गए थे। उन्होंने 1939 में साहसिक ढंग से घोषणा की कि वह निरक्षरता को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए असली मताधिकार की सुस्पष्ट रूप से पैरवी करेंगे। इस बारे में उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष के दौरान समाज के निम्न वर्गों के हितों की आवाज़ उठाने वाले बी. आर. अम्बेडकर का सार्थक योगदान था। सामाजिक विभाजनों के मुद्दे पर उनके फोकस ने उन्हें मत के अधिकार पर प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील बनाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान शिक्षा और सम्पत्ति पर आधारित अर्हताओं का अर्थ समाज के निम्न वर्गों का वास्तविक बहिष्करण था।

The opposition to universal franchise in India was considered as a colonial effort to

भारत में सार्वभौमिक मताधिकार के विरोध को औपनिवेशिक प्रयास के रूप में निम्नलिखित में से किसके लिए माना गया था?

[Question ID = 258][Question Description = 148_00_General_17_SEPT22_Q48]

1. Suppress the demand for freedom

स्वतंत्रता की मांग का दमन करना

[Option ID = 1029]

2. Deny gender parity in voting.

मतदान में लैंगिक-समता से इंकार करना

[Option ID = 1030]

3. Divide the society on the basis of elitism.

अभिजातवाद के आधार पर समाज को विभाजित करना

[Option ID = 1031]

4. Demean the role of political parties.

राजनीतिक दलों की भूमिका को नीचा दिखाना

[Option ID = 1032]

4) Read the passage and answer questions from 46 to 50

The Sapru Committee report was published in 1945. It was an Indian attempt to propose a constitutional scheme to accommodate different domestic political interests. It too made the case for universal suffrage. The Sapru committee claimed that even though political circumstances had changed, for example, the party structure had evolved, substantial changes in such matters could occur only after full responsible government had been introduced, it said. In keeping with this rationale, it reiterated the idea that the very exercise of franchise would provide the education necessary to enable a responsible politics. The support for universal franchise could also be seen in proclamations by major political actors. Nationalist leaders viewed restrictions on the franchise as colonial attempts to curb growing disaffection. Mohandas Gandhi, who returned from South Africa in 1915 and swiftly became the face of India's entire effort at emancipation, boldly declared in 1939 that he was unworried by illiteracy. He said he would plump for an unadulterated franchise for both men and women. The contribution of B.R. Ambedkar, who took up the cause of lower sections of the society during the anti-colonial struggle was significant in this regard. His focus on the issue of social divisions made him sensitive to restrictions on the right to vote. Qualifications based on education and property during colonial rule meant the defacto exclusion of lower sections of the society.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 46-50 के उत्तर दीजिए-

सपू समिति की रिपोर्ट 1945 में प्रकाशित हुई थी। यह विभिन्न घरेलू राजनीतिक हितों के समायोजन के लिए एक संवैधानिक योजना को प्रस्तावित करने का भारतीय प्रयास था। इसमें सार्वभौमिक मताधिकार के मामले का भी समर्थन किया गया। सपू समिति ने दावा किया कि यद्यपि राजनीतिक परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जैसे-दलीय संरचना का उद्विकास हुआ है, लेकिन ऐसे मामलों में भारी परिवर्तन पूर्ण उत्तरदायी सरकार आने के बाद ही हो सकते हैं। उसने इस तर्काधार पर यह विचार दोहराया कि मताधिकार का नितांत प्रयास शिक्षा प्रदान कर सकता है, जो एक उत्तरदायी राजनीति को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक है। प्रमुख राजनीतिक कर्ताओं की घोषणाओं में भी सार्वभौमिक मताधिकार के प्रति समर्थन देखा जा सकता था। राष्ट्रवादी नेताओं ने मताधिकार पर प्रतिबंधों को बढ़ते असंतोष पर नियंत्रण के औपनिवेशिक प्रयासों के रूप में माना। मोहनदास गाँधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और स्वाधीनता के बारे में भारत के संपूर्ण प्रयास का तेजी से चेहरा बन गए थे। उन्होंने 1939 में साहसिक ढंग से घोषणा की कि वह निरक्षरता को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए असली मताधिकार की सुस्पष्ट रूप से पैरवी करेंगे। इस बारे में उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष के दौरान समाज के निम्न वर्गों के हितों की आवाज़ उठाने वाले बी. आर. अम्बेडकर का सार्थक योगदान था। सामाजिक विभाजनों के मुद्दे पर उनके फोकस ने उन्हें मत के अधिकार पर प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील बनाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान शिक्षा और सम्पत्ति पर आधारित अर्हताओं का अर्थ समाज के निम्न वर्गों का वास्तविक बहिष्करण था।

Mohandas Gandhi supported universal right to vote, ignoring

मोहनदास गांधी ने निम्नलिखित में से किसकी उपेक्षा करते हुए सार्वभौमिक मताधिकार का समर्थन किया था?

[Question ID = 259][Question Description = 149_00_General_17_SEPT22_Q49]

1. The importance of economic status.

आर्थिक स्थिति का महत्व

[Option ID = 1033]

2. The benefits of divisionary politics.

विभाजनकारी राजनीति के लाभ

[Option ID = 1034]

3. The issue of illiteracy

निरक्षरता का मुद्दा

[Option ID = 1035]

4. The growing disaffection in the society.

समाज में बढ़ते असंतोष

[Option ID = 1036]

5) Read the passage and answer questions from 46 to 50

The Sapru Committee report was published in 1945. It was an Indian attempt to propose a constitutional scheme to accommodate different domestic political interests. It too made the case for universal suffrage. The Sapru committee claimed that even though political circumstances had changed, for example, the party structure had evolved, substantial changes in such matters could occur only after full responsible government had been introduced, it said. In keeping with this rationale, it reiterated the idea that the very exercise of franchise would provide the education necessary to enable a responsible politics. The support for universal franchise could also be seen in proclamations by major political actors. Nationalist leaders viewed restrictions on the franchise as colonial attempts to curb growing disaffection. Mohandas Gandhi, who returned from South Africa in 1915 and swiftly became the face of India's entire effort at emancipation, boldly declared in 1939 that he was unworried by illiteracy. He said he would plump for an unadulterated franchise for both men and women. The contribution of B.R. Ambedkar, who took up the cause of lower sections of the society during the anti-colonial struggle was significant in this regard. His focus on the issue of social divisions made him sensitive to restrictions on the right to vote. Qualifications based on education and property during colonial rule meant the defacto exclusion of lower sections of the society.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या 46-50 के उत्तर दीजिए-

सप्रू समिति की रिपोर्ट 1945 में प्रकाशित हुई थी। यह विभिन्न घरेलू राजनीतिक हितों के समायोजन के लिए एक संवैधानिक योजना को प्रस्तावित करने का भारतीय प्रयास था। इसमें सार्वभौमिक मताधिकार के मामले का भी समर्थन किया गया। सप्रू समिति ने दावा किया कि यद्यपि राजनीतिक परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जैसे-दलीय संरचना का उद्विकास हुआ है, लेकिन ऐसे मामलों में भारी परिवर्तन पूर्ण उत्तरदायी सरकार आने के बाद ही हो सकते हैं। उसने इस तर्काधार पर यह विचार दोहराया कि मताधिकार का नितांत प्रयास शिक्षा प्रदान कर सकता है, जो एक उत्तरदायी राजनीति को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक है। प्रमुख राजनीतिक कर्ताओं की घोषणाओं में भी सार्वभौमिक मताधिकार के प्रति समर्थन देखा जा सकता था। राष्ट्रवादी नेताओं ने मताधिकार पर प्रतिबंधों को बढ़ते असंतोष पर नियंत्रण के औपनिवेशिक प्रयासों के रूप में माना। मोहनदास गाँधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और स्वाधीनता के बारे में भारत के संपूर्ण प्रयास का तेजी से चेहरा बन गए थे। उन्होंने 1939 में साहसिक ढंग से घोषणा की कि वह निरक्षरता को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए असली मताधिकार की सुस्पष्ट रूप से पैवी करेंगे। इस बारे में उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष के दौरान समाज के निम्न वर्गों के हितों की आवाज़ उठाने वाले बी. आर. अम्बेडकर का सार्थक योगदान था। सामाजिक विभाजनों के मुद्दे पर उनके फोकस ने उन्हें मत के अधिकार पर प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील बनाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान शिक्षा और सम्पत्ति पर आधारित अर्हताओं का अर्थ समाज के निम्न वर्गों का वास्तविक बहिष्करण था।

The passage highlights

उपरोक्त गद्यांश किस पर ध्यान केन्द्रित करता है

[Question ID = 260][Question Description = 150_00_General_17_SEPT22_Q50]

1. The role of political actors in India.

भारत में राजनीतिक कर्ताओं की भूमिका

[Option ID = 1037]

2. The demerits of universal suffrage

सार्वभौमिक मताधिकार के दोष

[Option ID = 1038]

3. B. R. Ambedkar's effort for emancipation of lower sections of society.

अम्बेडकर के समाज के निम्न वर्गों की स्वाधीनता के लिए प्रयास

[Option ID = 1039]

4. The political evolution in India.

भारत में राजनीतिक उद्विकास

